अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अं क–235 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 24 दिसम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

विश्वविद्यालय में राष्ट्रोन्मुख विकास की अटल यात्रा विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग एवं संस्कार भारती के सौजन्य से राजनीतिशास्त्र विभाग व अटल सुशासन पीठ, लोक प्रशासन विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म जयन्ती के सुअवसर पर ''राष्ट्रोन्मुख विकास की अटल यात्रा'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. अनिल जैन, राज्यसभा सांसद, भारत सरकार, मुख्य वक्ता आशुतोष शुक्ल सम्पादक दैनिक जागरण के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम में प्रो गोपाल प्रसाद, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सर्वेशचन्द्र द्विवेदी, प्रभारी निदेशक, राष्ट्रधर्म प्रकाशन द्वारा की गयी। कार्यक्रम का प्रारम्भ माँ सरस्वती एवं अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा अमित कुशवाहा द्वारा किया गया। डा अनिल जैन ने राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताया कि अटल ने राष्ट्रहित में मूलभूत एवं संरचनात्मक विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है। आशुतोष शुक्ला ने यह बताया कि किस प्रकार से भारतीय राजनीति में अटल जी ने अपनी छाप छोड़ी। अटल का समयकाल एक ऐसा दौर था जब भारतीय राजनीति में बहुत बड़े–बड़े दिग्गज राजनीतिज्ञ हुआ करते थे। उनके बीस एक अलग किस्म की चमक बिखरने का काम अटल जी के व्यक्तित्व ने किया।

सड़क हादसे में किसान की मौत

उरई/जालौन,(यूएनएस)। जालौन में शनिवार को खेत से लौट रहे किसान को तेज रफ्तार स्कार्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में किसान घायल हो गया। जबकि कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में जा पलटी। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सक ने चेकअप करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना माधौगढ़ थाना क्षेत्र के महोई की है। महोई के रहने वाले किसान रामेश्वर (70) अपने खेत में फसल को देखने गया था और जब वह खेत से शाम को वापस घर लौट रहा था। तभी गांव के बाहर ही पेट्रोल पंप के सामने उसे तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद कार भी बेकाबू होकर खंती में जा पलटी। जिससे उसमें सवार लोग लग्जरी कार को मौके पर छोड़कर भाग निकले। हादसे की खबर पाकर वृद्ध किसान के परिवार के लोग व पुलिस मौके पर पहुंची और किसान को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस कार को कब्जे में लेकर थाने ले गई।

किसान दिवस पर योगी ने 51 किसानों को बांटे ट्रैक्टर,

कहा, सरकार के एजेंडे में पहले स्थान पर हैं किसान

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान दिवस और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने उन्हें याद करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अन्नदाता किसानों का जीवन बदला। उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इस अवसर पर सीएम योगी ने 51 किसानों को ट्रैक्टर दिया और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बता दें कि देश में किसानों की आवाज उठाने वाले कई बड़े नेता हुए, लेकिन किसान पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना मसीहा मानते हैं। चौधरी चरण सिंह भले ही देश के प्रधानमंत्री के पद पर रहे हों, लेकिन आज भी उनको लोग किसान नेता के तौर पर याद करते हैं। इसलिए 23 दिसंबर को हर साल उनके जन्मदिन के दिन किसान दिवस मनाया जाता है। आज किसान दिवस पर सीएम योगी ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी है। इसके बाद सीएम ने जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा, चौधरी चरण सिंह ने किसानों के लिए जो योगदान दिया है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने किसानों के लिए जो कहा वह कर दिखाया। जब तक किसान गरीब रहेगा देश विकास नहीं कर सकता है। पहली बार किसानों ने महसूस किया कि वे सरकार के एजेंडे का हिस्सा हैं और पहले स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि के जरिए किसानों को 15 किस्त मिली हैं। यूपी के दो करोड़ से ज्यादा किसानों को यह राशि मिली है। कृषि को लाभकारी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। साढ़े छह साल में 2 लाख 25 हजार गन्ना किसानों को भुगतान किया जा चुका है। डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है। अब खेती घाटे का सौदा नहीं है। प्राकृतिक खेती और श्रीअन्न को बढ़ावा दिया जा रहा है। मोटा अनाज के माध्यम से किसानों को संवार रहे हैं। यह किसानों के परिश्रम का परिणाम ही है कि विकास दर नौ फीसदी तक पहुंची है।

राज्यपाल होटल ताज में आयोजित 'मातृ शक्ति सम्मान' समारोह में हुई सम्मिलित, 13 ग्रामीण महिलाओं को किया सम्मानित

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल टाइम्स नेटवर्क द्वारा होटल ताज में आयोजित मातृ शक्ति सम्मान समारोह में सम्मिलित हुई व विभिन्न जनपदों से विविध क्षेत्र में कार्यरत एसएचजी समूह की 13 ग्रामीण महिलाओं को सम्मानित किया। राज्यपाल ने कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने उपस्थित नारी शक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह से महिलाएं हिम्मत करके जुड़ी व विविध उद्यमों से आय सृजन कर आत्मनिर्भर बनी। उन्होंने कहा कि हमें पहले अंदाजा ही नहीं था। महिलाओं की शक्ति का उपयोग देश हित में भी हो सकता है, किन्तु अब समय बदला है। ग्रामीण महिलाएं भी आगे आई हैं तथा देश, समाज और परिवार की उन्नति हेतु कार्य कर रही हैं। महिलाओं को शक्तिमान बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि महिलाएं विविध माध्यम से अपने आय का सृजन कर उसका उपयोग परिवार को आगे बढ़ाने व बेटे–बेटियों को पढ़ाने में करती है। उन्होंने महिलाओं के समय प्रबंधन की तारीफ करते हुए बताया कि कैसे घर के कामकाज के साथ–साथ वे अन्य कार्यों को भी करती है तथा घर में सबसे बाद में सोती है और यदि घर में छोटे बच्चे हो तो रात में जागती भी हैं। राज्यपाल ने केंद्र और राज्य सरकार की लाभार्थी परक योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि यह अब घर–घर तक पहुंची है और सभी योजनाओं को पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना हमारा दायित्व बनता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं का सम्मान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं की विविध लघु उद्यमों में सक्रियता से आय सृजन के साथ–साथ उनकी सोच भी बदली है। विगत वर्षों से शिक्षा में आ रहे बदलाव की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज विश्वविद्यालयों में 80 प्रतिशत छात्राएं परिणाम दे रही हैं। इस अवसर पर कुल 13 महिलाओं को सम्मानित किया गया, जो प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आई थीं। विभिन्न लघु उद्यमों से जुड़ी हुई थीं। कार्यक्रम में वाराणसी से चंदा देवी तथा चंदौली से आई गायत्री देवी ने मंच पर अपने अनुभव भी साझा किये तथा राज्यपाल जी ने उनसे उनकी आय, बच्चों की पढ़ाई, कार्य शुरू करने के बाद परिवार को मिल रही सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी ली व उन्हें जीवन में और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि प्रदेश को महिला राज्यपाल मिली हैं। आज हर महिला, हर लड़की को उनका अधिकार मालूम है तथा विकसित भारत को आगे बढ़ाना तभी संभव है जब महिला आगे बढ़े।

एलडीए के विशेष निबंधन शिविर में 782 आवंटियों ने करायी रजिस्ट्री

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए लगाये गये विशेष निबंधन शिविर के अंतिम दिन शनिवार को 45 आवंटियों ने अपने पक्ष में रजिस्ट्री करवायी। इसे मिलाकर प्राधिकरण द्वारा कुल 782 आवंटियों को सम्पत्ति की रजिस्ट्री की गयी। इस मौके पर प्राधिकरण की अध्यक्ष/मण्डलायुक्त डॉ0 रोशन जैकब ने उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करके शिविर में रजिस्ट्री के लिए आये आवेदनों व उन पर की गयी कार्यवाही की समीक्षा की। जिसमें समस्त आवेदनों पर शत प्रतिशत कार्यवाही पायी गयी।

सचिव पवन कुमार गंगवार ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों का आवंटन किया गया है। इनमें काफी संख्या में सम्पत्तियों की रजिस्ट्री नहीं हो पायी थी। इसे ध्यान में रखते हुए आवंटियों की सहूलियत के लिए दिनांक–05.12.2023 से 23.12.2023 तक प्राधिकरण भवन के बारादरी लॉन में विशेष निबंधन शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें प्राधिकरण के गणना, लेखा, नियोजन व सम्पत्ति अनुभाग के समस्त सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ निबंधन विभाग की टीम भी उपस्थित रही। इससे सम्पत्तियों के निबंधन सम्बंधी दस्तावेज तैयार करने तथा उनके पंजीयन की कार्यवाही एक ही जगह सम्पादित की गयी। एक ही पटल पर समस्त कार्य होने से आवंटियों को भी इसका भरपूर लाभ मिला और लोगों ने बड़ी संख्या में शिविर में आकर अपनी सम्पत्ति की रजिस्ट्री करवायी।

अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि शिविर में कुल 782 आवंटियों ने अपने पक्ष में सम्पत्ति की रजिस्ट्री करवायी। जिसमें विभिन्न अपार्टमेंट्स के फ्लैट, प्रधानमंत्री आवास, बसन्तकुंज, शारदा नगर, गोमती नगर, गोमती नगर विस्तार, व्यवसायिक, बल्क सेल व कानपुर रोड समेत अन्य योजनाओं की सम्पत्तियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिन आवंटियों ने सम्पत्ति के सापेक्ष पूर्ण धनराशि का भुगतान कर दिया है, उन्हें प्राधिकरण द्वारा रजिस्ट्री कराने के लिए लगातार सूचना भेजी जा रही है। ऐसे आवंटी किसी भी कार्यदिवस में प्राधिकरण आकर सिंगल विन्डो सिस्टम के अंतर्गत आवेदन करके अपनी सम्पत्ति की रजिस्ट्री करा सकते हैं।

एलडीए ने सरोजनीनगर व पारा क्षेत्र में तीन अवैध व्यवसायिक निर्माण सील किये

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में अवैध निर्माण/प्लाटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में शनिवार को प्रवर्तन जोन–2 की टीम ने पारा व सरोजनीनगर क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान अवैध रूप से किये जा रहे तीन व्यवसायिक निर्माणों को सील किया गया। प्रवर्तन जोन–3 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि ए0के0 सिंह व अन्य द्वारा पारा में मोहान रोड, सरोसा–भरोसा मोड़ पर लगभग 7500 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर बेसमेंट में हॉल, अपर ग्राउंड फ्लोर पर 11 दुकानें, प्रथम व द्वितीय तल पर हॉल का निर्माण कराया गया था। इसी तरह सतीश (प्रधान) व अन्य द्वारा पारा के हंसखेड़ा में प्राधिकरण द्वारा निर्मित ई0डब्ल्यू0एस0 अपार्टमेंट के पीछे नजूल भूमि पर लगभग 2000 वर्गफिट क्षेत्रफल में दुकानों व कमरों का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा मुन्नू सिंह व अन्य द्वारा सरोजनीनगर में अमौसी रोड पर लगभग 1500 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर बेसमेंट व प्रथम तल पर व्यावसायिक निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे उक्त तीनों अवैध निर्माण के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में आज सहायक अभियंता अनिल कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता भरत पाण्डेय, भानु प्रकाश वर्मा, संजय शुक्ला व प्रमोद पाण्डेय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया।

सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस में 'एनुअल पैरेन्ट्स डे' का आयोजन

लखनऊ, (यूएनएस)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा 'एनुअल पैरेन्ट्स डे' समारोह का भव्य आयोजन सी. एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने शिक्षात्मक सॉंस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। मुख्य अतिथि श्री प्रशांत कुमार सिंह, डेप्युटी डायरेक्टर जनरल, यूआईडीएआई, ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत् शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि अनुशासित एवं संस्कारयुक्त पारिवारिक वातावरण में पले–बढ़े बालक ही विश्व का मार्गदर्शन कर सकते हैं। इस तरह के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक समारोह बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु बेहद महत्वपूर्ण हैं। समारोह का शुभारम्भ सर्व–धर्म प्रार्थना एवं विश्व एकता प्रार्थना से हुआ। विश्व एकता प्रार्थना में बच्चों ने विश्व एकता व विश्व शान्ति का का जयघोष बड़े ही प्रभावशाली ढंग से किया। इसके अलावा, विभिन्न प्रेरणादायी कार्यक्रमों जैसे प्रार्थना नृत्य, स्वागत गान, समूह गायन, लघु नाटिका, कव्वाली एवं विभिन्न लोकनृत्यों को अभिभावकों ने खूब सराहा। समारोह का खास आकर्षण रहा कि इसमें अभिभावकों ने भी जोरदार ढंग से भागीदारी की एवं नन्हें–मुन्हें बच्चों का उत्साहवर्धन किया। छात्रों की माताओं द्वारा प्रस्तुत समूह गीतों व भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने खूब वाहवाही लूटी, वहीं दूसरी ओर 'विश्व संसद' के शानदार प्रदर्शन को भी सभी ने सराहा। कुल मिलाकर यह शानदार समारोह 21वीं सदी के अनुरूप सी.एम.एस. की 'ब्राडर एवं बोल्डर शिक्षा पद्धति' से अवगत कराने में सफल साबित हुआ। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के समारोह द्वारा अभिभावकों को इस बात के लिए प्रेरित करना है कि बालक की प्रथम पाठशाला घर है। घर में बच्चों को नैतिकता एवं आध्यात्मिकता का वातावरण उपलब्ध कराकर आदर्श समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। अन्त में, सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या दीपाली गौतम ने बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु, पधारे अभिभावकों व गणमान्य अतिथियों को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

11 बाइक के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी,। वाराणसी के रामनगर थाना पुलिस ने शनिवार को दो बाइक चोरों को दबोच लिया। इनके पास नौ मोटर साइकिल और दो एक्टिवा समेत 15 लाख रुपये के पार्ट्स बरामद हुए। बाइक सवारों को थाने लाकर पूछताछ की और फिर केस दर्ज कर चालान कर दिया। सभी को एसीजेएम कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जज ने जेल भेज दिया। वाहन चोरों को दबोचने वाली टीम को डीसीपी काशी ने प्रोत्साहन के रूप में 20 हजार रूपये का नगद इनाम दिया। डीसीपी काशी जोन आरएस गौतम ने बताया कि थाना रामनगर से बाइक चोरी की शिकायतों के बीच एक टीम बनाकर लगाया गया। क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न स्थानों से वाहन चोरी करने वाले 2 शातिर चोरों को टीम ने दबोच लिया। इसमें रोहनिया निवासी क्रान्ति राजभर उर्फ दिनेश और अदलहाट मिर्जापुर निवासी हैदर अली उर्फ टाटा शामिल हैं। उनके कब्जे से 9 मोटर साइकिल, 2 एक्टिवा स्कूटी, चोरी वाहनों के पार्ट्स व औजार बरामद किए गए। पूछताछ पर हैदर उर्फ टाटा ने बताया कि हम तीनों (क्रान्ति राजभर, हैदर अली उर्फ टाटा, अयान) मिलकर चेतगंज वाराणसी पानदरीबा के पास से मोटरसाइकिलों को 2 दिन पहले सुबह में चुराए थे और लाकर अयान के घर रख दिया था। आज इन मोटर साइकिलों को साथियों के साथ मिलकर अपने घर गाड़ी को काटने के लिए ले जा रहा था तभी पुलिस ने दबोच लिया। हम लोग शहर के विभिन्न क्षेत्रों व आसपास के जनपदों से गाड़ियां चोरी कर लेते है इसके बाद हैदर के घर पहुंचा देते हैं। जिसे हैदर अपने घर काटकर अपने गांव के बगल में सतीश की कबाड़ी की दुकान पर बेच देता है और पैसे लेकर हम आपस में बांट लेते हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया और जेल में दाखिल कर दिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम में शामिल थाना रामनगर के प्रभारी निरीक्षक भरत उपाध्याय, एसआई जय प्रकाश सिंह और अमित कुमार त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल रविन्द्र कुमार सिंह, गौरव भारती, विनय कुमार सिंह शिवबाबू पाल को बीस हजार रुपये का इनाम दिया गया।

प्रभु श्रीराम के विवाह का प्रसंग सुन भावविभोर हुये भक्त, आकर्षण का केंद्र रही भव्य झांकी

लखनऊ,(यूएनएस)। जय रामचंद्र आपकी जय जय हो जानकी..., चलो आज सिया प्यारी, जयमाल पहनाओ जी..., गावहिं छवि अवलोक सहेली.. जैसे भजनों पर भक्त जमकर झूमे। मौका था विश्वनाथ मन्दिर के 32वें स्थापना दिवस के मौके पर श्रीरामलीला पार्क सेक्टर–ए सीतापुर रोड योजना कालोनी में चल रहे मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम कथा के छठे दिन शनिवार को मनाए गए प्रभु श्रीराम विवाह उत्सव का। विवाह की भव्य झांकी आकर्षण का केंद्र रही। भगवान श्रीराम के विवाह का प्रसंग सुनाते हुये आचार्य गोविंद मिश्रा ने कहाकि सखियों के साथ जगत जननी जानकी पधारी तो सखियां भगवान राम से कहतीं हैं ''छुक जाओ नेक रघुवीर कि लली मेरी छोटी है...'' यह सुनकर भगवान राम ने सिर झुकाना चाहा तो दूसरी सखी बोली देखो रघुवंशी का सिर झुक रहा है तो भगवान राम ने सिर सीधा कर लिया। ऐसा देखकर सखियां गाने लगीं ''माला गिर गई गिर गई माला गिर गई...'' यह सुनकर भगवान श्रीराम नींचे देखने लगे तो मौका पाकर सीताजी ने प्रभु श्रीराम को जयमाल पहना दी और श्री रघुनाथ जी के हृदय पर जयमाल देखकर देवतागण फूल बरसाने लगे। वहीं मिथिला नगरिया की चिकनी डगरिया..., भगत के वश में हैं राम... जैसे भजनों संग प्रभु श्रीराम व माता सीता के विवाह का अदभुत दृश्य देख भक्त जमकर झूमे।

सम्पादकीय

मरुभूमि में तालाब

अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में है नागौर जिला। इस जिले का छोटा सा गांव है रोल। इस गांव का तालाब बहुत पुराना है। कहा जाता है कि यह तालाब किसी बंजारे ने बनवाया था। ये बंजारे सैकड़ों पशु लेकर चलते थे। जगह–जगह उनका पड़ाव होता था। अगर ऐसी जगह पानी के लिए तालाब नहीं होते तो वे तालाब बनवाते थे। गांव वालों के अनुसार यहां भी पशुओं को लेकर बंजारों ने डेरा डाला था, लेकिन पीने का पानी नहीं था। वे एक पीर के पास पहुंचे जिन्होंने कांसे का एक कटोरा दिया जिससे बंजारे ने मिट्टी खोदी तो पानी निकल आया। इस तरह बंजारों ने तालाब खुदवाया जो आज भी लबालब भरा रहता है। कांसे के कटोरे से खोदने के कारण इस तालाब का नाम श्कांसोलाबश पड़ा। राजस्थान व देश के कई हिस्सों में भी बंजारों द्वारा खुदवाए गए तालाब बड़ी संख्या में मिल जाएंगे। मरुभूमि का यह इलाका सबसे कम बारिश वाले इलाकों में एक है, लेकिन गांव–समाज ने बारिश की बूंद–बूंद को सहेजकर पानी का संकट बड़ा नहीं होने दिया। यहां के लोगों ने बारिश की बूंदों को सहेजकर जीवन चलाना सीखा है जो उनकी परंपराओं में दिखता है। पानी पर लोकगीत हैं, पानी सहेजने के कई पारंपरिक ढांचे भी हैं। यह सब लोगों ने अपने श्रम, कौशल, अनुभव से न केवल बनाए हैं, बल्कि बरसों से संभाले और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाए हैं। यह पूरी पट्टी खारे पानी की है। भूजल खारा होने के कारण पानी बहुत गहराई में मिलता है जिसे निकालना काफी महंगा होता है। इसके बावजूद लोगों ने पानी के स्रोत, जैसे – नाड़ी, ताल, तलाई, बंध, बंधाए, तालाब, झील, खडीन इत्यादि को बचाकर रखा है। पश्चिमी राजस्थान के तीन जिलों– बाड़मेर, नागौर व जोधपुर के कई गांवों में सौ से लेकर हजार साल तक के तालाब हैं। इन तालाबों का रखरखाव गांव के लोग करते हैं। इस काम में उन्नति विकास शिक्षण संगठन, जोधपुर व उरमूल खेजड़ी संस्थान, झाड़ेली (नागौर)श ने मदद की है। इन संस्थाओं ने काम को व्यवस्थित करने के लिए जल सहेली का गठन किया है जो पंचायत के साथ मिलकर तालाब प्रबंधन में मदद कर रही हैं। संस्था के दिलीप बीदावत ने बताया कि हमने 2019 से 2022 तक मरुस्थल के 6 जिलों के 350 गांवों में सामूहिक शोधयात्रा की, जिसमें जलस्रोतों की प्रबंधन व्यवस्था को समझने का प्रयास किया। यात्रा में अलग–अलग क्षेत्रों के 30 ऐसे तालाबों की पहचान की गई जिनकी प्रबंधन व्यवस्था काफी मजबूत थी। इन 30 तालाबों के दस्तावेजीकरण का कार्य श्डेजर्ट रिसोर्स सेंटर, बीकानेरश के साथ किया गया। इनमें से 5 उत्कृष्ट प्रबंधन व्यवस्था वाले तालाबों सहित कुल 16 तालाबों को वाटर लीडर्स सम्मेलन, जोधपुर में सम्मानित भी किया गया है। बीदावत बताते हैं कि किसी भी तालाब का आंकलन करने के लिए उसका भराव, पाल, आगोर और न्यायपूर्ण वितरण देखा जा सकता है। समुदाय जिसका रखरखाव व प्रबंधन अच्छा करेगा, वही तालाब बेहतर कहलाएगा।

रोल गांव के लोगों ने इसके लिए नियम–कायदे बनाए गए हैं। गांव के मांगीलाल बताते हैं कि कांसोलाब तालाब का पानी स्वास्थ्य के लिए बेहतर है। इसे जैसा पूर्वजों ने रखा, उसी तरह गांव के लोग भी इसकी हिफाजत करते हैं। इस तालाब का पानी तीन पीढ़ी से खत्म नहीं हुआ है। जिन गांवों में पानी नहीं है उन गांवों में शादी–विवाह करने से लोग बचते हैं, पर इस गांव में ऐसी नौबत अब तक नहीं आई। लोग कहते हैं कि बेटी देनी है तो रोल में दो, वहां उसे मीठा पानी मिलेगा। मांगीलाल बताते हैं कि तालाब का आगौर क्षेत्र 500 बीघा है। इसकी गहराई 24 फुट और भराव क्षेत्र 20 बीघा है। आगौर क्षेत्र अब तक अतिक्रमण मुक्तहै। यदि कोई अतिक्रमण का प्रयास करता है तो गांव के मुखिया उसे रोकते हैं। पंचायत की तरफ से कुछ स्थानों पर तारबंदी की गई है, खाई खोदी गई है और पाल बनाई गई है जिससे अतिक्रमण रोका जा सके। इन व्यवस्थाओं में सुधार का मुख्य कारण है कि आसपास पानी का संकट दिनों–दिन बढ़ रहा है। यहां से 15–20 गांव पानी ले जाते हैं। 15 साल पहले तालाब से पानी निकालकर माटी निकाली थी जिसे लोगों ने खेतों में डाला था। यह मिट्टी काफी उपजाऊ मानी जाती है। इस तालाब के पास हनुमान, महादेव, मूराशहीद बाबा के मंदिर और पीरपहाड़ी हैं। गांव में जब मेला लगता है तब दरगाह कमेटी की तरफ से 20–30 आदमी तालाब की व्यवस्था में भागीदारी करते हैं। मेला तालाब के पास नहीं लगने देते, ताकि किसी प्रकार की गंदगी न हो। गांव के आमीसुद्दीन ने बताया कि तालाब के प्रति सभी की आस्था है। धारणा है कि अगर इस तालाब का पानी पी लें तो बीमारी दूर हो जाती है। पत्रकार श्रवण मेघवाल के मुताबिक इस तालाब में सालभर पानी रहता है क्योंकि इसके पैंदे में लाल मिट्टी है, जो सीमेंट की तरह पानी को रोककर रखती है। पहले तालाब गहरीकरण का काम हुआ था। तालाब की स्वच्छता व सौंदर्यीकरण के लिए पंचायत में प्रस्ताव पारित हुआ था, नियम–कायदे बने थे। इन पर सख्ती से अमल किया जाता है। मांगीलाल नियम–कायदों के बारे में बताते हुए कहते हैं कि अंदर पशु जाना, नहाना, पैर धोना, जूठे बर्तन धोना आदि मना है। तालाब क्षेत्र में शौच जाना मना है। शादी–विवाह में पहले से लोगों को सूचित किया जाता है कि वे तालाब के आसपास गंदगी न करें। पहले किसी की मृत्यु हो जाती थी तो तालाब में स्नान करते थे, लेकिन अब केवल हाथ धोकर चले जाते हैं। इसके साथ ही हर अमावस्या पर सफाई होती है। मनरेगा के तहत हर माह आगौर की साफ–सफाई करवाते हैं। तालाब का पानी टैंकरों से ले जाना मना है। केवल घड़े या छोटी टंकी से ले जा सकते हैं। तालाब प्रबंधन के लिए एक व्यक्ति निगरानी रखते हैं। सरपंच प्रतिनिधि सहीराम ने बताया कि पिछले साल आगौर क्षेत्र में 500 पेड़ लगाए थे, इस बार भी लगाए जा रहे हैं। इस पूरी पहल से स्कूली बच्चों व युवाओं को भी जोड़ा जा रहा है। नागौर जिले का एक और छोटा गांव है रामसर। यहां के तालाब की सार–संभाल का जिम्मा युवाओं ने लिया है। वे न केवल इस तालाब की देखरेख कर रहे हैं, बल्कि उसके आसपास पौधारोपण की मुहिम चला रहे हैं। इस मुहिम का फौरी असर यह हुआ है कि तालाब तो स्वच्छ व साफ है ही, पक्षी भी बहुत हैं। इस क्षेत्र के युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी दिखाई दे रही है। रामसर तालाब की गहराई लगभग 50 फुट और आगौर 1100 बीघा का है। यह तालाब भव्य व सुंदर है। इसकी पाल के किनारे पुराने खेजड़ी के पेड़ हैं। युवाओं की पर्यावरण संस्था ने 300 से ज्यादा नए पेड़ लगाए हैं और ट्री गार्ड से उनकी सुरक्षा भी की है। इन हरे–भरे पेड़ों के कारण सैकड़ों पक्षियों का कलरव बरबस ही खींचता है। यहां मोर, उल्लू, तीतर, सोनचिड़िया काफी दिखाई देते हैं। इसके अलावा हिरण भी कुलांचें भरते दिख जाते हैं। संस्था से जुड़े मुकेश गोड बताते हैं कि तालाब के किनारे लगे खेजड़ी के पेड़ों की उम्र हो गई है इसलिए नए पेड़ लगाने की जरूरत महसूस हुई। युवाओं ने पर्यावरण संस्था का गठन किया और एक वाट्सएप ग्रुप भी बनाया जिसमें 180 सदस्य हैं। इस वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से पेड़ लगाने की मुहिम के लिए चंदा एकत्र किया गया। अब उनकी परवरिश भी की जा रही है। इसके अलावा आगौर में अतिक्रमण न हो यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इस पूरी मुहिम में पंचायत ने भी सहयोग दिया है। वे बताते हैं कि तालाब बुजुर्गों की धरोहर है। तालाब है तो गांव है, पहचान है।

कला के माध्यम से सच्चे स्वदेशी की खोज

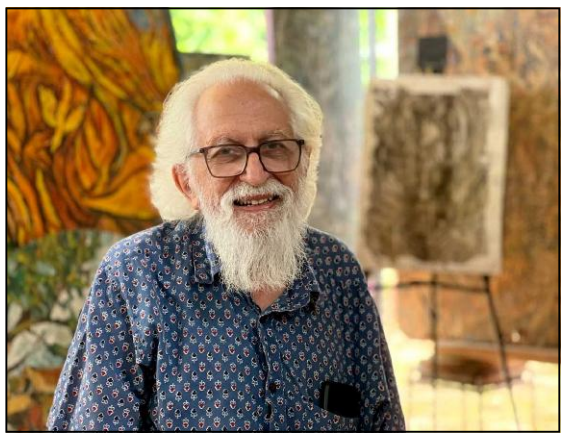

कला का लोकतंत्रीकरण, लोक संस्कृति से आकर्षित होता है जो प्रकृति के चक्रों के नजदीक रहने वालों की वास्तविकताओं के साथ सीधे संपर्क में है। यह एक आधुनिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है जो समकालीन वास्तविकता से प्रेरणा लेता है। इस तरह की कला आज की राजनीतिक चिंताओं से जुड़े लोगों के लिए अधिक सुलभ होने के कारण एक ऊर्जा है जो सामाजिक रूप से व्यस्त दृष्टि का स्रोत है। नंदलाल बोस की कला को इस अर्थ में देखा जा सकता है जिसे आनंद कुमारस्वामी (1877–1947) ने एक श्सच्चा स्वदेशीश कहा था जो एक काल्पनिक अतीत से प्राप्त झूठे स्वदेशी के विपरीत है। गुजरात के हरिपुरा में 1938 में हुए कांग्रेस अधिवेशन में एक महत्वपूर्ण सत्र में महात्मा गांधी ने चित्रों की प्रदर्शनी को अपनी मंजूरी दी थी। इन चित्रों की प्रदर्शनी अब बेंगलुरु की प्रतिष्ठित नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में आयोजित की गई है। प्रदर्शनी का उद्घाटन पिछले महीने किया गया था और यह अप्रैल 2024 तक खुली रहेगी। हरिपुरा पैनल नाम से प्रसिद्ध ये चित्र भारतीय चित्रकार और शिक्षक नंदलाल बोस (1882–1966) की कृतियां हैं और इन्हें राष्ट्रीय खजाना माना जाता है। यह प्रदर्शनी हमारी रुचि और विचार–विमर्श, स्वदेशी, राष्ट्रवाद के विचारों और हमारी अपनी जड़ों को फिर से खोजने में सांस्कृतिक विविधता की भूमिका पर नए सिरे से महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हैं। इस प्रदर्शनी का अवलोकन करते समय कलाकारों की कल्पना पर स्वतंत्रता संग्राम के राजनीतिक प्रभाव से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते। प्रदर्शनी नंदलाल बोस के राष्ट्रवाद की पड़ताल के साथ ही इस तथ्य की भी जांच करती है कि वे भारतीय आधुनिकता के एक विशिष्ट स्रोत का प्रतिनिधित्व करते हैं। क्या नंदलाल बोस की कलात्मक प्रतिभा के भीतर अंतर्निहित आवेग सिर्फ अतीत की ओर लौटना था जो स्वदेशी आंदोलन में उनकी युवा भागीदारी से प्रेरित था? या उनकी कला भारतीय परंपरा में काफी नई है और उन अर्थों में भारतीय संस्कृति में एक आधुनिक दृष्टि का संकेत है? राष्ट्रवाद के साथ कला का संबंध आधुनिक भारतीय कला की जड़ों से संबंधित बड़े सवाल उठाता है। भारतीय संदर्भ में राष्ट्रवाद, कला और राजनीतिक कल्पनाएं नजदीक से जुड़ी हुई हैं। आधुनिक भारतीय कला की शुरुआत स्वतंत्रता संग्राम से हुई थी। इसने भारतीय रचनात्मकता को सक्रिय किया जो औपनिवेशिक काल के दौरान विदेशियों की सांस्कृतिक निर्भरता से प्रभावित थी। इस प्रयास के पीछे प्रेरक कारण एक प्रामाणिक आत्म–छवि को फिर से खोजना था, एक पहचान जिसे स्वदेशी या हमारी अपनी भूमि कहा जाता था। श्स्वदेशीश का अर्थ आत्मनिर्भरता है जिसमें यह स्वीकार किया जाता है कि प्रत्येक समुदाय अपने जीवन के लिए आवश्यक चीजें प्राकृतिक और सांस्कृतिक वातावरण से प्राप्त करता है। एक तरह से यह किसी संस्कृति की भौगोलिक रूप से निर्धारित अवधारणा है। प्रत्येक प्रामाणिक संस्कृति मानव व्यक्ति और समुदाय के बीच एक संबंध से विकसित होती है और यह भूमि का भौतिक शरीर है जो एक राष्ट्र के लिए पोषक वातावरण प्रदान करता है। हालांकि आत्मनिर्भरता केवल एक राष्ट्रीय पहचान के बारे में नहीं है। रचनात्मक कला अपने प्राकृतिक वातावरण के लिए संस्कृति के संबंध को संबोधित करती है। संस्कृति सिर्फ आत्मनिर्भरता के माध्यम से विकसित नहीं हो सकती है। विकास, विभिन्न लेकिन पूरक बलों के बीच परस्पर क्रिया से उत्पन्न होता है। एक पेड़ की छवि आकाश और पृथ्वी के बीच की कड़ी का प्रतिनिधित्व करती है। यह श्ऊपर क्या है और नीचे क्या हैश के एक साथ आने तथा श्क्या देखा जाता है और क्या छिपा रहता है का प्रतीक है। एक बीज को अंकुरित होने के लिए पृथ्वी और पानी दोनों की आवश्यकता होती है। एक जीवित पौधा स्वाभाविक रूप से मिट्टी के ऊपर से आने वाले प्रकाश और गर्मी की ओर बढ़ता है। जैविक विकास आंतरिक और बाहरी ऊर्जाओं के एक साथ काम करने का परिणाम है।

इस अर्थ में कुछ भी अपने आप में पर्याप्त नहीं है क्योंकि हर जीवित प्रक्रिया का अर्थ है बाहर की ओर बढ़ना, अन्य की ओर पहुंचना। उसी तरह एक जीवित संस्कृति बाहरी प्रभावों पर प्रतिक्रिया देती है जो स्थानीय संस्कृति के भीतर की क्षमता को बढ़ाती है। पेड़ हमें जीवन की हर शाखा के आंतरिक जुड़ाव की याद दिलाता है। एक पेड़ के फूल और फल एक जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं जो उस पेड़ से परे रहने वाले कई अन्य प्राणियों के साथ जुड़े रहते हैं और परस्पर प्रभाव डालते हैं। नंदलाल बोस अजंता भित्तिचित्रों से प्रभावित थे। उन पर अपने शिक्षक अवनींद्रनाथ टैगोर (1871–1951) का प्रभाव था। इन भित्ति चित्रों में रोजमर्रा की जिंदगी के दृश्य हैं जो दूसरी शताब्दी में बनाए गए थे। हजारों सालों से इन दृश्यों के माध्यम से कई कलाकारों ने कल्पना को आकार दिया है। हालांकि भारतीय कला, जीवन की इस दृष्टि के लिए गहराई से ऋणी है लेकिन आज कलाकारों के लिए अतीत में लगभग बाईस शताब्दियों से आने वाली कला को दोहराना संभव नहीं है। यद्यपि बोस ने शांतिनिकेतन में अपने छात्रों को कला भवन के आसपास के ग्रामीण इलाकों में रोजमर्रा की जिंदगी का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जो उनके कल्पनाशील विकास के लिए एक स्रोत प्रदान करता था किन्तु उन्होंने कभी भी जोर नहीं दिया कि छात्र पिछली कलात्मक शैलियों की नकल करें। उन्होंने चीन और जापान से आने वाले समकालीन कलाकारों के साथ तकनीक के आदान–प्रदान के जरिए अपनी कला के लिए प्राकृतिक सामग्रियों के उपयोग की बात सीखी। ये विदेशी कलाकार टैगोर के श्विश्व भारतीश प्रयोग की सार्वभौमिक दृष्टि से आकर्षित थे। हरिपुरा पैनलों की श्रृंखला ने प्राकृतिक कला सामग्री का उपयोग करते हुए ग्रामीण भारत में देखे जाने वाले रोजमर्रा के जीवन को दर्शाया। सरल और सहज ब्रश स्ट्रोक के साथ चित्रित विषय इन अर्थों में अद्वितीय हैं कि वे भारतीय और सुदूर पूर्वी कला परंपराओं के संयोग से अपनी ताकत प्राप्त करते हैं। नंदलाल बोस, अबनींद्रनाथ टैगोर के छात्र थे और स्वदेशी आंदोलन से प्रभावित थे। स्वदेशी आंदोलन 1905 में शुरू हुआ था जब बोस नौजवान थे। बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट शैली, जिसने अतीत में भारतीय कला की उपलब्धियों की ओर लौटने की कोशिश की, उन उत्साही लोगों की याद दिलाती है जिन्होंने औद्योगिक क्रांति के खिलाफ प्रतिक्रिया देने वाले इंग्लैंड के पूर्व–राफेलाइट पुनरुत्थानवादी कला को प्रेरित किया था। जॉन रस्किन (1819–1900) ने एडवर्ड बर्न–जोन्स (1833–1898) और विलियम मॉरिस (1834–1896) के साथ सौंदर्यशास्त्र के लिए एक आकर्षक दृष्टिकोण विकसित किया जिसके बारे में उनका मानना था कि यह गोथिक कला की भावना व्यक्त करता एक खोई हुई औद्योगिक–पूर्व संस्कृति को पुर्नप्राप्त करने तथा प्रकृति के साथ सद्भाव बनाने के लिए पुराने समय में वापस लौटने का प्रयास है। इस रोमांटिक प्रयास की समस्या यह थी कि इसमें ब्रिटिश संस्कृति के वर्तमान और भविष्य के साथ वास्तविक जुड़ाव का अभाव था। बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट, हालांकि एक भारतीय शैली के लिए जमीन तैयार कर रहा था लेकिन उस जोश और सहज ऊर्जा की कमी थी जो नंदलाल बोस की कला में देखी जा सकती है। बोस का काम उनके समकालीन जैमिनी रॉय की तरह अतीत की नकल से अलग था। जैमिनी रॉय ने भी अबनींद्रनाथ टैगोर से शिक्षा प्राप्त की थी। इन कलाकारों ने समकालीन लोक कला में एक भारतीय पहचान खोजने की कोशिश की। हरिपुरा पैनल जिस तरह से गांव की रोजमर्रा की संस्कृति के जीवन को दिखाते हैं वह जीन–फ्रेंकोइस मिलेट (1814–1875) की कला की याद दिलाता है जिन्होंने अपने समय की पेरिस अकादमिक कला के ऐतिहासिक विषय–वस्तु को तोड़ दिया था। उन्होंने अपनी मूल ग्रामीण संस्कृति को फिर से खोजा, उसे चित्रित किया तथा किसानों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रतिष्ठित किया। वर्तमान स्थिति के लिए इस दृष्टिकोण ने वान गाग की कला को गहराई से प्रभावित किया।कला का लोकतंत्रीकरण, लोक संस्कृति से आकर्षित होता है जो प्रकृति के चक्रों के नजदीक रहने वालों की वास्तविकताओं के साथ सीधे संपर्क में है। यह एक आधुनिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है जो समकालीन वास्तविकता से प्रेरणा लेता है। इस तरह की कला आज की राजनीतिक चिंताओं से जुड़े लोगों के लिए अधिक सुलभ होने के कारण एक ऊर्जा है जो सामाजिक रूप से व्यस्त दृष्टि का स्रोत है। नंदलाल बोस की कला को इस अर्थ में देखा जा सकता है जिसे आनंद कुमारस्वामी (1877–1947) ने एक सच्चा स्वदेशी कहा था जो एक काल्पनिक अतीत से प्राप्त झूठे स्वदेशी के विपरीत है। यही नंदलाल बोस का महत्व है और यह आज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक वातावरण के लिए गहन संदेश देता है।

टोपी, बुर्का, दाढ़ी कांग्रेस को क्यों है प्यारी? हिजाब के प्रति प्रेम दिखाकर क्या कांग्रेस तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पर उतर आयी?

कर्नाटक विधानसभा चुनावों में मुस्लिमों के 82 प्रतिशत से ज्यादा मत अकेले कांग्रेस को मिले थे इसलिए ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी की सरकार तुष्टिकरण की राजनीति की पराकाष्ठा पर उतर आयी है। पहले कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पूर्व की भाजपा सरकार के उस फैसले का विरोध किया जिसके तहत मुस्लिमों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर दिया गया था। अब राज्य सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर जारी प्रतिबंध को हटा दिया है। खुद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस बात का ऐलान किया और साथ ही भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ष्वे कहते हैं श्सबका साथ, सबका विकासश लेकिन टोपी, बुर्का पहनने वालों और दाढ़ी रखने वालों को दरकिनार कर देते हैं। क्या उनका यही मतलब है।ष हम आपको याद दिला दें कि विधानसभा चुनावों के समय कांग्रेस ने वादा किया था कि वह भाजपा सरकार के फैसलों को पलटेगी। इसलिए अब सवाल यह है कि अगला फैसला कौन–सा होगा जिसे कर्नाटक सरकार पलटने की तैयारी में है? क्या भाजपा ने जबरन धर्मांतरण विरोधी जो कानून बनाया था उसे पलट दिया जायेगा? क्या कर्नाटक में भाजपा ने गौ हत्या के खिलाफ जो कानून बनाया था उसे रद्द कर दिया जायेगा? सवाल यह भी है कि जब कांग्रेस को तुष्टिकरण की राजनीति ही करनी है तो वह हिंदूवादी होने का ढोंग क्यों करती है? देखा जाये तो ऐसा प्रतीत होता है कि कर्नाटक सरकार ने आगामी लोकसभा चुनावों की दृष्टि से एक बार फिर ध्रुवीकरण कराने के मकसद से हिजाब पर रोक हटाने का फैसला किया है। हम आपको बता दें कि कर्नाटक में मुस्लिमों की आबादी लगभग 13 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है। वैसे कर्नाटक सरकार को हिजाब पर फैसला करते समय उच्चतम न्यायालय की वृहद पीठ का निर्णय आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए थी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि कर्नाटक हिजाब मामले में जब उच्चतम न्यायालय ने खंडित फैसला सुनाया था तब भी पुरातनपंथियों ने जिस प्रकार के बयान दिये थे वह मुस्लिम लड़कियों की स्वतंत्रता के विरोध में ही थे।

कर्नाटक सरकार को समझना होगा कि हिजाब पहनना भले निजी पसंद का मामला हो लेकिन स्कूलों में उन वस्त्रों को पहनने की इजाजत कैसे दी जा सकती है जिससे समानता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित होती हो। यहां यह भी प्रश्न खड़ा होता है कि जब कई देशों में इस्लाम आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है तो हमारे यहां के कट्टरपंथी इसे पीछे ले जाने पर क्यों आमादा हैं? देखा जाये तो कर्नाटक सरकार का यह फैसला शिक्षण संस्थानों की 'धर्मनिरपेक्ष प्रकृति' के प्रति चिंता पैदा करता है।

वैसे देखा जाये तो भारत में

तुष्टिकरण की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद दूसरे दलों को समझ आया कि तुष्टिकरण की राजनीति के दिन लद गये हैं। मोदी की देखादेखी अन्य नेता भी मंदिरों में जाने लगे, खुद को सबसे बड़ा तपस्वी बताने लगे, माथे पर चंदन का टीका लगाने लगे, जो नेता पहले सिर्फ मजारों या दरगाहों पर ही जाते थे वह अब आरती करने लगे, व्रत करने लगे और हवन पूजन करने लगे। लेकिन आप विभिन्न राज्यों की राजनीति का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि तुष्टिकरण की राजनीति से तौबा करने का सबक सिर्फ कुछ नेताओं ने ही लिया है। कई राज्यों में आज भी तुष्टिकरण की राजनीति धड़ल्ले से जारी है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर तो तुष्टिकरण के खूब आरोप लगते रहते हैं, यही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने पिछले दिनों वादा किया था कि विधानसभा चुनावों में यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो इस्लामिक बैंक की स्थापना करेंगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद पर रहने के दौरान केसीआर तो तुष्टिकरण की राजनीति के मास्टर बने हुए थे। चुनावों के दौरान वह अपनी सभाओं में अल्लाह का शुक्रिया अदा किया करते थे और वादा किया था कि उनकी पार्टी यदि चुनाव जीती तो हैदराबाद में मुस्लिम आईटी पार्क की स्थापना करेगी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल कर्नाटक हिजाब मामले के दौरान तेलंगाना में एक वीडियो सामने आया था जिसमें मंगलसूत्र पहने महिला से परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले मंगलसूत्र उतरवाया जा रहा था तो दूसरी ओर हिजाब पहने लड़की परीक्षा केंद्र में आराम से जा रही थी। केसीआर पर तुष्टिकरण की राजनीति के जो तमाम आरोप लगते हैं उनमें एक कथित आरोप यह भी था कि पिछले साल ग्रुप 1 की नौकरियों की परीक्षा में उर्दू में उत्तर देने की अनुमति दी गयी थी। तमिलनाडु में द्रमुक सरकार भी तुष्टिकरण की राजनीति को तेजी से बढ़ावा दे रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस तरह की राजनीति करके हमारे राजनीतिज्ञ उस शपथ का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं जिसके तहत उन्होंने कहा था कि वह बिना किसी भेदभाव के सबके साथ न्याय सुनिश्चित करेंगे?

बहरहाल, जहां तक कर्नाटक के हिजाब मामले की बात है तो यह सही है कि सभी को अपनी पसंद के कपड़े पहनने और भोजन का चयन करने की आजादी है लेकिन जब बात शिक्षण संस्थान की आती है तब यह आजादी सीमित हो जाती है। कहा जा सकता है कि कर्नाटक सरकार ने शिक्षण संस्थानों में धार्मिक परिधान को मंजूरी देकर युवाओं को धार्मिक आधार पर बांटने का काम किया है। जबकि राज्य सरकार को ऐसा माहौल निर्मित करना चाहिए था जहां छात्र धार्मिक प्रथाओं से प्रभावित हुए बगैर शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित कर सकें।

सजा के सवाल

संसद के शीतकालीन सत्र में अभूतपूर्व हंगामे और निलंबन के बीच कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए हैं, जो आजाद भारत में न्यायिक सुधारों की दृष्टि से मील के पत्थर कहे जा सकते हैं। दूरसंचार से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक के अलावा उन औपनिवेशिक कानूनों के बदलाव का रास्ता भी साफ हुआ जो भारतीयों को दंडित करने के लिये ब्रिटिश शासकों ने बनाये थे। इसी क्रम में आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य कानून ने ली है। अब शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन तीन विधेयकों को राज्यसभा की मंजूरी मिलने के बाद ये विधेयक राष्ट्रपति की मोहर लगने पर कानून का रूप ले लेंगे। अभी सार्वजनिक विमर्श में इन नये बनने वाले कानूनों को लेकर ज्यादा जिक्र नहीं हुआ, लेकिन विधेयक में डॉक्टरों के लिये हल्की सजा के प्रावधान को लेकर चर्चाएं जरूर हैं। कहा जा रहा है कि जीवन से खिलवाड़ के प्रश्न पर हल्की सजा का प्रावधान क्यों? जबकि पहले ही कानून उन्हें संरक्षण देता है। दरअसल, संसद द्वारा हाल ही में पारित भारतीय न्याय संहिता में जो बदलाव किया गया है वह डॉक्टरों के लिये तो निश्चय की राहतकारी है, लेकिन यदि वास्तव में जानलेवा लापरवाही होती है तो क्या मरीज को न्याय मिल सकेगा? कुछ लोग इस फैसले की तार्किकता पर सवाल उठाते हैं। दरअसल, भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 में किसी लापरवाही से होने वाली मौत के लिये जुर्माने के अलावा पांच साल की सजा का प्रावधान है। मगर इलाज में लापरवाही के प्रकरण में चिकित्सकों को राहत देते हुए इस सजा को घटाकर अधिकतम दो साल व जुर्माना कर दिया गया है। सरकार की दलील है कि लोगों के इलाज करने वाले चिकित्सकों को अनावश्यक दबाव से बचाने के लिये भारतीय मेडिकल एसोसिएशन के आग्रह पर यह कदम उठाया गया है। लेकिन वहीं जानकार मानते हैं कि मरीजों के जीवन रक्षा के अधिकार का भी सम्मान होना चाहिए। जबकि कानूनी मामलों के जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार में लापरवाही से जुड़े कानून की तीन धाराएं अब तक सजा तय करती रही हैं। समय–समय पर आए न्यायिक फैसलों के आलोक में इन धाराओं की विवेचना माननीय न्यायाधीशों ने की है। उल्लेखनीय है कि दो धाराओं की व्याख्या तो शीर्ष अदालत के दो निर्णायक फैसलों के परिप्रेक्ष्य में की गई है। दरअसल, न्यायालय भी मानता रहा है कि विभिन्न कारणों से लापरवाही के गलत आरोपों से चिकित्सकों को संरक्षण दिया जाना चाहिए। वहीं अदालत किसी अन्य पेशे की लापरवाही व चिकित्सीय उपचार की संवेदनशीलता के चलते दोनों में फर्क करने की बात कहती रही है। कोर्ट का मानना है कि उपचार के विभिन्न पहलुओं के चलते हर नकारात्मक परिणाम को लापरवाही नहीं कहा जा सकता। दरअसल, चिकित्सकों को सुरक्षा कवच पेशागत विशिष्टता के चलते दिया गया है। जिसके चलते लापरवाह डॉक्टरों पर मुकदमा दर्ज कराना पहले ही आसान नहीं था। दरअसल, किसी भी लापरवाही के आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कोई भी निजी शिकायत तभी दर्ज होती है, जब इस बारे में कोई योग्य डॉक्टर राय देता है। इतना ही नहीं, यदि शिकायत दर्ज हो भी जाती है तो एक बार फिर मामले की जांच करने वाले अधिकारी को चिकित्सकीय राय लेनी होती है। यानी जटिल परिस्थितियों में ही लापरवाह चिकित्सक की गिरफ्तारी अपवाद स्वरूप ही संभव हो सकती है। ऐसे में नागरिक अधिकारों के समर्थक मानते हैं कि लापरवाही करने वाले डॉक्टरों पर पहले मामला दर्ज करना कठिन होता है। वहीं उनके खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया शुरू करना और भी कठिन होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि यदि वाकई डॉक्टर लापरवाही का दोषी पाया जाता है, तो क्या उसे कम सजा पाने का हक होना चाहिए? खासकर जब चिकित्सा क्षेत्र में पांच सितारा चिकित्सा संस्कृति का वर्चस्व बढ़ रहा है और धनाढ्य वर्ग का चिकित्सा व्यवसाय में दखल बढ़ता जा रहा है तो आम व साधनविहीन वर्ग के हितों की अनदेखी तो नहीं की जा सकती। बहुत संभव है कि आने वाले दिनों में सरकार भी ऐसी विसंगतियों पर मंथन करे।

किसानों के हमदर्द और शुभचिंतक थे चौधरी चरण सिंह : रामाशीष

चौधरी चरण सिंह की मनाई गई जयंती

लखनऊ। प्रदेश के जनपदों में किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की 121 वीं जयन्ती चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत धूमधाम से मनायी गयी। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में चौधरी साहब की प्रतिमा के सम्मुख हवन पूजन तथा मार्ल्यापण किया गया। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा, विजय श्रीवास्तव तथा सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने विधानभवन स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।रोहित अग्रवाल ने कहा, भारतीय जनता पार्टी चौधरी साहब के नाम पर वोट तो मांगती है पर उनकी विचारधारा को आगे बढ़ते हुए किसान हित में काम नहीं करती। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था परंतु गन्ना किसानों का रेट आज भी घोषित नहीं किया। यदि सच में चौधरी चरण सिंह का सम्मान करती है तो गन्ना का रेट 400 रूपये प्रति कुंटल घोषित करें। रोहित अग्रवाल ने कहा कि गांव गरीब किसान व मजदूर की भावना है कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।इस अवसर पर काकोरी में ग्राम पंचायतों में ग्राम वासियों के बीच जाकर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि चौधरी साहब पूरे देश में एकमात्र किसानों के हमदर्द एवं शुभचिंतक थे जिन्होंने अपने सम्पूर्ण कार्यकाल में किसान हितों की रक्षा के लिए अपने संकल्प का निर्वाह किया। चौधरी साहब का प्रत्येक कदम खेतों की मेड़ पर और किसान के हित में होता था। किसान को उसकी पहचान पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह द्वारा ही दी गयी। जयन्ती कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, प्रदेश प्रवक्ता अंकुर सक्सेना, प्रदेश महासचिव रजनीकांत मिश्रा, संतोष यादव, अम्बुज पटेल, मनोज सिंह चौहान, किरण सिंह, रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, विनोद सोनकर, केजी वर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, महेश पाल धनगर, रमेश कश्यप, लखनऊ मण्डल अध्यक्ष रणविजय मौर्य, जिलाध्यक्ष रामसेवक रावत, सम्राट सिंह चौहान, मुकेश, हर्षित, अनीता यादव, शहजाद, प्रभूदयाल, विश्वनाथ यादव आदि लोग शामिल होकर चौधरी चरण सिंह को नमन किया।

बॉलीवुड अभिनेत्री कंचन अवस्थी ने किया सिल्क फैब प्रदर्शिनी का उद्घाटन

लखनऊ, (यूएनएस)। कैसरबाग स्थित बारादरी में नौ दिवसीय सिल्क फैब 2023 प्रदर्शिनी की शुरुआत हुई। जिसमें पूरे भारत के अलग–अलग कोनों से आये व्यक्तियों ने तरह–तरह की साड़ी उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं। इसका उद्घाटन शनिवार को बॉलिवुड की अभिनेत्री कंचन अवस्थी ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से शहर में खुशहाली का माहौल बना रहता है। मैं लखनऊ की हूं यहां आकर बहुत अछा लगता हैं। यह बहुत ही अच्छी प्रदर्शिनी लगी हैं ।देश भर का हुनर आपको एक मंच पे देखनो को मिलता हैं इस मौके, एमटीवी मॉडल मोहनीश सवितर, आयोजक मानस आचार्य और जावेद मकसूद उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के ओर्गानिजर मानस आचार्य ने बताया कि इस सिल्क फैब प्रदर्शनी में अलग–अलग राज्यों से आये बुनकरों के पास विभिन्न प्रकार के मटेरियल से बनी साड़ी, सूट, स्टोल्स, ड्रेस मैटेरियल, दुपट्टा,और ब्राइडल वियर सिल्क कॉटन साड़ी, कुर्ती, टॉप, खादी शर्ट, फैशन जूलरी बेड सीट, भदोही की कालीन, ज्वैलरी और गोल्ड ज्वीलरी, दिल्ली का फर्नीचर और इस प्रदर्शन में दो लाख तक की सारी भी उपलध हैं जो गोल्ड तार से बनाई गई हैं।प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए एम टीवी अभिनेता मोहनीश सवितर ने कहा कि हमारी सरकार बुनकरों के काम को बढ़ावा देने के लिए कर रही है, ताकि उनका कारोबार आगे बढ़ता रहे। इस जगह पर विभिन्न राज्यों के उत्पाद बुनकरों द्वारा तैयार किये गए हैं, जो सीधे ग्राहकों को मिला रहा है। यह सराहनीय पहल है और उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में एक ही छत के नीचे सब कुछ उपलब्ध है। आरजे इवेंट्स एंड प्रोडक्शंस के ब्रांड एंबेसडर मोहनीश के अनुसार, प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश की मुलबारी सिल्क, जामदानी व जमावार सिल्क साड़ी उपलब्ध है। उड़ीसा की संभालपुरी इक्कट सिल्क साड़ी, बिहार की ऑर्गेनिक तसर सिल्क साड़ी, असम की मूगा सिल्क साड़ी, कर्नाटक की क्रीप सिल्क जॉर्जेट साड़ी, तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ी, उत्तर प्रदेश की मलबेरी सिल्क साड़ी, महाराष्ट्र के डिजाइनर ड्रेस मटेरियल, छत्तीसगढ़ की एक्सक्लूसिव सिल्क साड़ी, मध्य प्रदेश की महेश्वरी साड़ी, वेस्ट बंगाल की बलूचारी साड़ी और तमाम राज्यों से जम्मू कश्मीर पंजाब तमाम राज्यों से बहुत शानदार स्टॉल्स का आयोजन किया गया और बहुत ही अच्छी वैरायटी है।

भक्तों की रक्षा के लिए भगवान सदैव अवतार धारण करते हैं : आचार्य सुधीर

लखनऊ। श्री शिव श्याम मंदिर समिति की ओर से हाता राम दास सदर कैण्ट में चल रही भागवत कथा के छठे दिन शनिवार को नैमिषारण्य धाम के आचार्य सुधीर कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भगवान सदैव भक्तों की रक्षा के लिए अवतार धारण करते हैं वृंदावन में श्री गोवर्धन जी के स्वरूप में भगवान ने समस्त बृजवासियों की रक्षा करी है इंद्र के कोप से भगवान ने समस्त बृजवासियों को बचाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में संकट के बादल मंडराने लगे तो एक ही बात सोचना चाहिए कि इस संकट से रक्षा करने का अगर किसी में समर्थ है तो श्रीनाथ प्रभु में है और यह सोचकर के प्रभु के शरण में हमें सदैव सदैव अपने मन को निरंतर लगाते रहना चाहिए। भगवान ने रस बिहार किया दिव्य रासलीला रचाई। रस बिहार का एक ही तत्व है जीव और ब्रह्मा का मिलन गोपी हमारे शरीर में विद्यमान इंद्रियां और यह इंद्रिय आत्म ज्योति के रूप में विराजमान ब्रह्म जो हमारे आत्म स्वरूप में हृदय में ही निवास करता है उसको प्राप्त कर ले उसको जान ले अर्थात जीव और ईश्वर का जो संयोग है यही रस है इसलिए रस के प्रति अपनी दिव्य भावना को रखते हुए समस्त जीवात्मा को ब्रह्म की उपासना में ही अपने आप को लगाना चाहिए भगवान 11 वर्ष तक श्री वृंदावन गोकुलधाम में रहे। बाद में आकर कंस का संघार किया अपने माता–पिता को अर्थात वासुदेव और देवकी को कारागार से मुक्त कराया समय–समय पर ब्रजमंडल के लोगों का समाचार उद्धव के माध्यम से भगवान प्राप्त करते रहते थे। भगवान ने जरासंध ा को 17 बार युद्ध में हराया आठवीं बार विशेष कर्म से भगवान युद्ध को हार गए और रणछोड़ दास के रूप में भगवान की ख्याति स्थापित हुई। भगवान ने द्वारिका में अपना नया राज्य बसाया द्वारकाधीश की पदवी से विभूषित हुए। बाद में रुक्मणी कृष्ण का विवाह धूमधाम से संपन्न हुआ। उत्सव मे कथा के मुख्य यजमान मनोज गर्ग, पत्नी सुमन गर्ग, मधुर गर्ग और मिहिर गर्ग है झूम झूम कर नाचने लगे। मुख्य संयोजक राजेन्द्र कुमार पाण्डेय गुरुजी ने भक्तों पर फूलों की वर्षा की। कल रविवार को कथा दोपहर 3.30 से शाम 7.30 बजे तक होगी।

इस्कॉन द्वारा गीता जयंती पर यज्ञ–हवन कर श्रीमद भगवतगीता के 700 श्लोकों का वाचन करते हुए समर्पित की आहुतियाँ

लखनऊ। श्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ द्वारा गीता जयंती एवं मोक्षदा एकादशी के पावन अवसर पर अपरिमेय श्याम प्रभु द्वारा भक्तो के संग गीता हवन यज्ञ किया गया। जिसमे शहर भर से शामिल हुए गणमान्य भक्तो के संग श्रीमद भगवत गीता के 18 अध्याय के 700 श्लोकों का उत्साहपूर्वक पाठ करते हुए यज्ञ में आहुतियाँ प्रदान की गयी एवं मंदिर अध्यक्ष अपरिमेय श्याम प्रभु द्वारा महा आरती कर कार्यक्रम संपन्न किया गया ।यज्ञ एवं आरती के उपरान्त अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने गीता जयंती का महातम्य बतलाया कि आज मोक्षदा एकादशी के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद भगवतगीता पर उपदेश दिया था। जो 18 अध्याय के 700 श्लोकों में पूर्ण हुआ, जिससे अर्जुन भय एवं संशय से मुक्त होकर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति पूर्ण शरणागति के साथ धर्म युद्ध के लिए तत्पर हुए। साथ ही साथ प्रभुजी ने बताया कि आज गीता जयंती के पावन पर्व पर विश्व भर मे इस्कॉन के भक्त श्रीमद भगवतगीता के 700 श्लोको का उच्चारण करते हैं एवं गीता मैराथन आंदोलन के अंतर्गत विश्व भर मे इस्कॉन के भक्त श्रीमद भगवतगीता का वितरण कर गीता सन्देश का प्रचार–प्रसार करते हैं स अंत मे अपरिमेय श्याम प्रभु ने शहर भर से आये भक्तो से आग्रह किया कि प्रतिदिन श्रीमद भगवतगीता के एक श्लोक का स्वाध्याय अवश्य करें। गीता हवन यज्ञ में लखनऊ तथा आस–पास के गणमान्य भक्त उपस्थित रहे, सभी भक्तों ने श्री श्री राधा रमण बिहारी जी के भजन, कीर्तन, नृत्य तथा एकादशी प्रसाद का आनंद उठाया।

राष्ट्रीय सेवक संघ महिलाओं के बीच बढ़ाएगा अपनी पैठ,

लखनऊ में होगा महिला समन्वय का बड़ा सम्मेलन, प्रबुद्ध वर्ग की 2500 महिलाएं आमंत्रित

लखनऊ,(यूएनएस)। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले जहां एक तरफ भाजपा सरकार के प्रोग्राम में को तेजी से आगे बढ़ाने और उनका प्रचार प्रसार करने में जुड़ी हुई है। वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी भाजपा के सपोर्ट में जमीनी स्तर पर कार्य करने में जुटा है किसी गाड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महिलाओं के बीच में अपनी पेट को और भी ज्यादा मजबूत करने के लिए लखनऊ में एक बड़े सम्मेलन का आयोजन करने वाला है। पिछले दिनों लखनऊ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक में महिलाओ महिलाओं के परिवेश पर चर्चा की गई थी। और जिलों में महिलाओं के साथ सम्मेलन करने की योजना पर भी जोड़ दिया गया था। उत्तर प्रदेश की महिलाओं के बीच में पद बनाने के लिए रस प्रदेश के सभी महानगरों में महिला सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है इस आयोजन के जरिए आरएसएस महिलाओं के बीच अपनी पैठ को और भी ज्यादा मजबूत करेगा।इसके साथ ही अनुषांगिक संगठनों में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने की दिशा में भी तेजी से काम कर रहा है। वही दूसरी तरफ केंद्र सरकार की ओर से महिला आरक्षण बिल को पास कर दिया गया है जिसके तहत महिलाओं को लोकसभा और राज्ध्यों की विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने का भी काम किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महिला समन्वय का एक बड़ा सम्मेलन जल्दी किया जाएगा जिसमें प्रदेश की प्रबुद्ध वर्ग की 2500 महिलाएं को आमंत्रित भी किया गया है। वही संघ ने नई शाखा का नाम महिला समन्वय रखा गया है। और उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा महिलाओं को प्रोत्साहित करने और ने संग में सभा गीता देने की दृष्टि से पूरे प्रदेश हर के सभी महानगरों में 100 से ज्यादा समितियां बनाई जा चुकी हैं वही राजधानी लखनऊ में लगभग 42 समितियां बनाई गई हैं। जिसमें महिला महिलाओं की सभा गीता है वही हर जिले में महिला सम्मेलन की योजनाओं को भी तैयार किया गया है सम्मेलन के द्वारा प्रदेश की आधी आबादी को आरएसएस से जोड़ने का काम किया जाएगा। निश्चित तौर से 2024 लोकसभा चुनाव की रणनीतियों में महिला का मुद्दा सर्वोपरि रखा गया है यही कारण है कि महिलाओं को जहां एक तरफ आरक्षण देने का विधेयक पेश किया गया है वहीं दूसरी तरफ आरएसएस के द्वारा भी आधी आबादी को अपनी ओर करने की कवायद शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया

अलीगढ,(यूएनएस)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर मनाये जानेवाले राष्ट्रीय गणित दिवस पर 'गणित में हालिया रुझान' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रख्यात गणितज्ञ प्रोफेसर एम.ए.पठान मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय गणित दिवस समारोह के अनुरूप इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह के तहत आयोजित अन्य कार्यक्रमों में सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के लिए क्विज प्रतियोगिताएं, पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता और 'प्रकृति में गणित' थीम पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता शामिल थी। अपने मुख्य भाषण में प्रो. पठान ने रामानुजन और संख्या पर बात की और रामानुजन के कार्यों और उनकी प्रतिभा के महत्व पर चर्चा की। विभागाध्यक्ष और विज्ञान संकाय के डीन, प्रोफेसर कमरुल हसन अंसारी ने राष्ट्रीय गणित दिवस के महत्व को रेखांकित किया और यूएस न्यूज और वर्ल्ड रिपोर्ट की हालिया रैंकिंग में भारत में विभाग के लिए नंबर एक स्थान अर्जित करने में शिक्षकों और शोध छात्रों के प्रयासों की सराहना की। इससे पूर्व, अतिथि वक्ता और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के संयोजक प्रो. कलीम रजा काजमी ने समारोह के अंतर्गत आयोजित कार्यकर्मों और छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियों पर उनके प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पीएचडी छात्र मो. जुनैद ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि आयशा जबीन, कुणाल शर्मा और कनिका गोयल ने क्रमशः सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के लिए क्विज प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार जीता। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार आसिफ शहरयार को मिला।

हाईवे पर डिवाइडर से कार टकराई-चालक की मौत,

संदहा रिंगरोड चौराहा के पास हादसा में गई जान

वाराणसी, (यूएनएस)। वाराणसी–गाजीपुर नेशनल हाईवे मार्ग संदहा रिंगरोड चौराहा के पास शनिवार भोर सड़क हादसा हो गया। भोर में लगभग चार बजे तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो युवक फंसकर अचेत हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे बाहर निकाला और लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद कार चालक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर परिजनों को इसकी सूचना दी। जिसके बाद परिजनों ने पहुंचकर पंचनामा भरा और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। शनिवार भोर सारनाथ नवापुरा निवासी प्रियांशु पटेल पुत्र गोकुल पटेल (42 वर्ष) काले रंग की एक्सयूवी 700 गाड़ी नम्बर न्च्65म्न8570 लौट रहा था। कार में उसके साथ कानपुर निवासी मित्र नूर हसन भी था। चिरईगांव–चौबेपुर थाना क्षेत्र के पास कार डिवाइडर से टकरा गई और तेज रफ्तार होने के चलते पलट गई। हादसे में प्रियांशु पटेल की मौत हो गई और उसके साथ कानपुर निवासी मित्र नूर हसन गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि कार संदहा रिंगरोड से उतरकर तीव्र गति आशापुर की ओर जा रही थी इसी दौरान अचानक सड़क पर किसी पत्थर से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर में टकरा गई। जिससे कार के अगले हिस्से का परखच्चे उड़ गए, कर पलट गई जिसके चपेट में आने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक प्रियांशु अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था। अपने पीछे एक पुत्र एक पुत्री,पत्नी माता पिता सहित भरा पुरा परिवार छोड़ गया ।चिरईगांव चौकी प्रभारी अजय पाल ने बताया कि नूरहसन को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

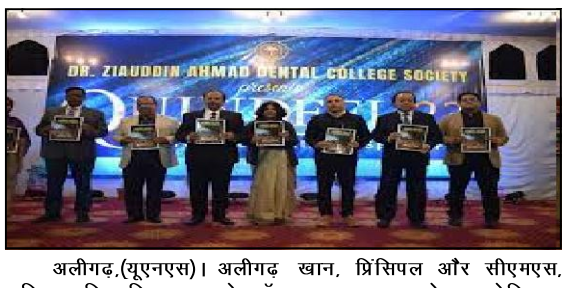

हर हाल में 15 जनवरी तक नलों से पहुंचे जल रू आयुक्त

बांदा,। कमिश्नर बालकृष्ण त्रिपाठी ने जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल जल योजना के सभी कार्य 15 जनवरी के पहले पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि हर हाल में 15 तक पानी की आपूर्ति शुरू कर दी जाए। गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जनपद में संचालित अमलीकौर और खटान पाइप पेयजल परियोजनाओं में इंटेकवेल के निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है। पाइपलाइन डालने का काम जल्द पूरा कर लिया जाए। ग्राम सचिवालय, प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र को जलापूर्ति करने के लिए पाइप लाइन डाल दें। पाइपलाइन डालने के बाद सड़कों की मरम्मत का कार्य तेज गति से किया जाए। कार्यों को 15 जनवरी 2024 तक पूरा कर लिया जाए। हमीरपुर की पत्यौरा परियोजना में ओवर हेड टैंक के निर्माण कार्य की प्रगति में तेजी लाने व मैन पावर बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। चित्रकूट की सिलौटा एवं चांदीबांगर में पानी के कनेक्शन बढाये जाने तथा टूटी हुई सड़कों को ठीक कराने के निर्देश दिए। महोबा की कबरई पेयजल योजना के अन्तर्गत वाटर सप्लाई कार्य में प्रगति लाने व सरैंया पाइप पेयजल योजना के लिए कार्य क्षमता बढ़ाई जाए। अपर आयुक्त प्रशासन अमर पाल सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त अनिल कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे एमपी सिंह , एडीएम महोबा, चित्रकूट, महोबा आदि मौजूद रहे।

दुद्धी में होगा उपचुनाव, भाजपा विधायक रामदुलार की गई विधायकी

25 साल की सजा के मिलने के बाद विधानसभा सदस्यता समाप्त

लखनऊ। सोनभद्र के दुद्धी विधानसभा क्षेत्र में अब उपचुनाव होंगे क्योंकि दुद्धी से भाजपा विधायक रामदुलार को दुष्कर्म के मामले में 25 वर्ष के कारावास की सजा होने के बाद विधानसभा सचिवालय ने दुद्धी सीट को रिक्त घोषित कर दिया है।रामदुलार को 15 दिसंबर को सजा सुनाई गई थी। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के तहत दो वर्ष से अधिक की सजा होते ही रामदुलार की सदस्यता स्वतः समाप्त हो गई थी। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने 15 दिसंबर से पद रिक्त घोषित कर दिया है। विधानसभा की ओर से सीट रिक्त घोषित करने की सूचना मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा को भेज दी है। अब निर्वाचन आयोग की ओर से दुद्धी सीट पर उप चुनाव की तारीख घोषित की जाएगी।नाबालिग से दुष्कर्म में सोनभद्र की दुद्धी सीट से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को 15 दिसंबर को 25 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा और दस लाख रुपये जुर्माना लगाया गया। जुर्माना न देने पर दोषी विधायक को तीन वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। दुष्कर्म पीड़िता को धमकाने के मामले में दो वर्ष की सजा सुनाई गई। पांच हजार रुपये जुर्माना ठोंका गया है। जुर्माना न देने पर छह महीने की अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गई है। जुर्माने की राशि दुष्कर्म पीड़िता को दी जाएगी। नवंबर 2014 में म्योरपुर थाने में नाबालिग से दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था जिसमें रामदुलार गोंड को मुख्य आरोपी बनाया गया था। 2022 के विधानसभा चुनाव में रामदुलार को भाजपा से टिकट मिला और वह जीत गये, फिर इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म मामले की सुनवाई एमएपी–एमएलए कोर्ट में शुरू हुई। एमपी–एमएलए कोर्ट के प्रभारी और अपर जिला जज एहसानुल्लाह खां ने मामले की सुनवाई करते हुए 12 दिसंबर को रामदुलार गोंड को दोषी करार दिया था। न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था। अदालत ने आदेश के लिए 15 दिसंबर की तिथि तय की थी। 15 दिसंबर को दोपहर एक बजे मामले की सुनवाई हुई और अदालत ने कुछ देर में आदेश सुना दिया। जब आदेश सुनाया गया, तब दोषी विधायक को जेल से अदालत लाया गया था।

छात्रों ने गीत, संगीत, नृत्य में दिखायी अपनी प्रतिभा

विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव के दूसरे दिन कबाड़ से जुगाड़ व हस्तकला की भी प्रस्तुति

लखनऊ। एनआरएलसी ट्रेनिंग सेन्टर, जानकीपुरम में चल रहे तीन दिवसीय विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव के दूसरे दिन विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं ने गीत, संगीत, नृत्य और सम्भाषण अपनी–अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया इसके साथ ही कबाड़ से जुगाड़ और हस्तकला का प्रदर्शन जारी रहा। सामाजिक संस्था सोसायटी ऑफ कॅरियर टेक्नोलॉजी (सोक्ट) एवं जनविकास महासभा के तत्वावधान में आयोजित इस उत्सव के दूसरे दिन की शुरूआत नन्हें बच्चों दर्श भागचन्दानी और दिव्यांश भागचन्दानी के वाद्य यंत्र वादन के साथ शुरूआत हुयी। इसके बाद देवांश श्रीवास्तव ने सांसो की जरूरत है जैसे जिन्दगी के लिये गीत की धुन बजाई। छात्रों की प्रतिभाओं के प्रदर्शन के बीच छात्रों और उनके अभिभावकों को जानकारी दी कि हर बच्चे को अपनी पढ़ाई के साथ कम से कम एक हाबी या निरन्तर एक्टीविटी में जरूर हिस्सा लेना चाहिए, इसके साथ ही मोबाइल के इस दौर में अभिभावकों को अपने बच्चों से निरन्तर संवाद को बनाये रखना चाहिये। इसके अलावा हरसिंगार स्कूल के बच्चों ने बेहतरीन पिरामिड नृत्य किया। जबकि आईटी कालेज की कु. भूमिका सिंह ने महिला साक्षरता पर बेहतरीन भाषण दिया, साथ ही एक ऊर्जावान नृत्य कु. श्रेया द्वारा प्रस्तुत किया गया और महाराजा अग्रसेन विद्यालय के छात्रों की टीम ने भी नृत्य प्रस्तुत किया। आज दूसने दिन हरसिंगार इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती आरती जोशी, संत एस राम इंटर कालेज की श्रीमती मिथिलेश कनौजिया, सिटी माण्टेसरी स्कूल की कई शिक्षिकायें और शिक्षक भी मौजूद रहे। इस मौके पर उत्सव के मुख्य आयोजक पंकज तिवारी ने बताया कि उत्सव का समापन कार्यक्रम कल 24 दिसम्बर रविवार को अपराह्न दो बजे से आयोजित होगा।

स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत जेडए डेंटल कॉलेज की पत्रिका का विमोचन

अलीगढ़,(यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. जियाउद्दीन अहमद डेंटल कॉलेज (जेडएडीसी) द्वारा वार्षिक स्थापना दिवस समारोह कॉलेज पत्रिका, डेंटल बज 3.0 के नए अंक के विमोचन के साथ शुरू हुआ, जो कॉलेज के जीवंत शैक्षणिक और पाठ्येतर जीवन को दर्शाता है। .अपने संबोधन में मुख्य अतिथि एएमयू के कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने कहा कि जेडएडीसी ने बहुत कम समय में भारत के डेंटल कॉलेजों में प्रतिष्ठित स्थान हासिल किया है। मानद अतिथि, एएमयू रजिस्ट्रार, श्री मोहम्मद इमरान (आईपीएस) ने कॉलेज प्रशासन से दंत चिकित्सा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में नए विकास के अनुसार विभिन्न सेवाओं के उन्नयन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

डीन, छात्र कल्याण, प्रो. अब्दुल अलीम ने कॉलेज के छात्रों की जीवंतता को स्वीकार किया और उनकी विविध उपलब्धियों की सराहना की। प्रोफेसर हारिस एम. खान, प्रिंसिपल और सीएमएस, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, और प्रोफेसर नईमा गुलरेज, प्रिंसिपल, वीमेंस कॉलेज ने भी अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें सहयोगात्मक भावना के महत्व पर जोर दिया गया जो विश्वविद्यालय के समग्र शैक्षिक परिदृश्य में बढ़ोत्तरी करता है। एएमयू पीआरओ, श्री उमर सलीम पीरजादा ने पत्रिका के संपादकीय बोर्ड को मैगजीन के नए अंक के प्रकाशन के लिए बधाई दी जो इसके योगदानकर्ताओं की साहित्यिक परिपक्वता को दर्शाता है। इससे पूर्व मेहमानों का स्वागत करते हुए, कॉलेज के प्रिंसिपल, प्रोफेसर आर के तिवारी ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए संस्थान की उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डाला। कॉलेज में संपन्न एक और गतिविधि में, 1998 बैच के पूर्व छात्र पुनर्मिलन का जश्न मनाने के लिए कॉलेज में एकत्र हुए, और उन 'अच्छे पुराने दिनों' को याद किया जो उन्होंने अपनी छात्रवृति के दौरान कॉलेज में बिताए थे। कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई, जिसके तहत पूर्व छात्रों ने कॉलेज परिसर में पौधे लगाए, जिससे इसकी हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण चेतना के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। पूर्व छात्र, जो अब दंत चिकित्सा के क्षेत्र में स्थापित पेशेवर हैं, ने एक रंगारंग उत्सव की शाम में भाग लिया, जिसे केक काटने के समारोह काटने से चिह्नित किया गया और वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए, बाद में पूर्व छात्रों ने उनकी सराहना की उन्हें प्रशस्ति बैनर और पट्टिकाएँ भेंट कीं।

यादगारी चिन्हों का आदान–प्रदान पूर्व छात्रों और उनके अल्मा मेटर के बीच स्थायी संबंध का प्रतीक है ।इससे पहले, पुरातन छात्रों का स्वागत करते हुए, जेडएडीसी के प्रिंसिपल, प्रोफेसर आर के तिवारी ने कहा कि यह पुनर्मिलन कार्यक्रम पूर्व छात्रों के लिए 1998 में कॉलेज छोड़ने के बाद से हासिल की गई सफलताओं और जीवन की उपलब्धियों को फिर से एक दुसरे से शेयर करने और जश्न मनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। यह हमारे लिए एक यादगार दिन है। हमारे मजबूत संबंधों को साझा करना, याद रखना और उनकी पुनः पुष्टि करना महत्वपूर्ण है जो पुरातन छात्रों को उनकी मातृसंस्था के साथ बांधते हैं।

सड़क हादसे में टीचर की मौत, लोडर से हुई भिड़ंत

बांदा,(यूएनएस)। जिले में स्कूल से घर जा रहे बाइक सवार अध्यापकों की बाइक की लोडर से आमने–सामने से भिड़ंत हो गई। जिसकी वजह से एक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। आपको बता दें की पूरा मामला बांदा जनपद का है। जहां पर महोबा के गोंडी चौराहा के रहने वाले टीचर कृष्ण कुमार प्राथमिक विद्यालय जरैला में पढ़ाते हैं। वह अपने दोस्त के साथ जो अध्यापक है, वह स्कूल बंद करके बांदा जा रहे थे। तभी बदौसा कस्बे में गुलाब रानी महाविद्यालय के पास पानी लेकर बदौसा जा रही लोडर ने सामने से उनको टक्कर मार दी। जिसकी वजह से कृष्ण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा प्रेम कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं मिली जानकारी के अनुसार कृष्ण कुमार लखीमपुर खीरी से बांदा दो महीने पहले ट्रांसफर होकर बांदा आए थे। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दूसरे घायल को जिला अस्पताल बांदा रेफर कर दिया गया है।

मनुष्य की सभी समस्याओं की जड़ उसका अपना मन होता है : प्रेमभूषण महाराज

लखनऊ, (यूएनएस)। मानस जी के आश्रय में आज की कथा में आप यह जानें कि आप कौन हैं? हर मनुष्य वही होता है जो उसका मन होता है। लाख बना श्रृंगार कर ले लेकिन अगर मन दूषित है तो हम भी वही हैं। मन को विषयों में रस मिलता है तो हम विषयी हैं। अगर हमने अपने मन को नहीं संवारा तो हमारा पूरा जीवन बेकार है।

कविकुल चूड़ामणि पूज्य तुलसीदास जी महाराज ने मन को हाथी की संज्ञा दी है। ऐसा मनमौजी जीव जिसका पेट भरा भी हो तो भी अगल–बगल के झाड़ को उखाड़ते चलता है। यह जीव अर्थात हाथी रूपी मन सत्संग के सरोवर में जाकर के ही शांत हो पाता है। मन पर इंद्रियों का प्रभाव हमारे आहार और विहार के कारण हमारे व्यवहार के रूप में सामने आता है। मन सदा इंद्रियों के वश में होकर विषयों में सुख ढूंढता फिरता है। सरस् श्रीराम कथा गायन के लिए सर्वप्रिय प्रेममूर्ति पूज्य श्री प्रेमभूषण जी महाराज ने उक्त बातें लखनऊ के गोमती नगर विस्तार स्थित सीएमएस विद्यालय के मैदान में ममता चौरिटेबल ट्रस्ट की तत्वाधान में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के सातवें दिन व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं।

श्री रामकथा गायन के माध्यम से भारतीय और पूरी दुनिया के सनातन समाज में अलख जगाने के लिए जनप्रिय कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज ने भगवान के वन प्रदेश की मंगलयात्रा प्रसंग का गायन करते हुए कहा कि अगर हमें अपने मन को निर्मल बनाना है तो हमें अपना आहार और विहार दोनों पहले शुद्ध करने की आवश्यकता होगी।

जीवन में कुछ भी विशेष करना हो तो पहले हमें अपने मन–मस्तिष्क को इसके लिए व्यवस्थित करके तैयारी करनी होती है। राम कथा जीव को धन्य–धन्य बनाती है, मन को भगवान में लगती है और विषयों से दूर ले जाती है। पूज्य श्री ने कहा कि अगर हम सहज रहना चाहते हैं और सहज जीना चाहते हैं तो हमारे पास इस कलियुग के मल को काटने और धोने का एकमात्र साधन है श्री राम कथा। काम, क्रोध,लोभ, मद और मत्सर आदि विकार कलिमल कहे जाते हैं। इससे बचने का एकमात्र सहज साधन श्री राम कथा ही है। मानस जी में लिखा है इस कथा को जो सुनेगा, कहेगा और गाएगा वह सब प्रकार के सुखों को प्राप्त करते हुए अंत में प्रभु श्री राम के धाम को भी जा सकता है।पूज्यश्री ने कहा कि जब मन पर कलिमल का प्रभाव हो तोचाह कर भी मनुष्य सत्कर्म के पथ पर आगे नहीं बढ़ पाता है। मनुष्य का मन और उसके बुद्धि उसके अपने कर्मों के अधीन है। हम जो भी कम करते हैं उसे हमारा क्रियमाण बनता है। यही कर्म फल एकत्र होकर संचित कर्म होता है और फिर कई जन्मों के लिए यह प्रारूप प्रारब्ध के रूप में जीव के साथ जुड़ जाता है। सत्कर्मों से जिसने भी अपने प्रारब्ध को बेहतर बना रखा है, इस जन्म में भी सत्कर्मों में उसी की गति बन पाती है। अन्यथा बार–बार विचार करने के बाद भी हम उस पथ पर अपने को आगे नहीं ले जा पाते हैं।

जीवन में सुख और शांति की अपेक्षा है तो घर में सत्संग का वातावरण बनाया जाय। घर में सत्संग का वातावरण होगा तो अगली पीढ़ी के बच्चों में वह अवतरित होगा। बच्चे कुसंगति को बहुत जल्दी अंगीकार करते हैं। अगर उन्हें कल कुसंगति से बचाना है तो उन्हें निरंतर सत्संग में गति करानी होगी।कोई जाति नहीं होती है भगत कीमनुष्य मात्र की दिमागी कसरत है जाति–पाती के भेद। भगवान ने कभी भी, कहीं भी जात–पात भेद को बढ़ावा देने की बात नहीं करी है। श्रीरामचरितमानस में इस बात का बार–बार प्रमाण आया है। भगवान ने केवट जी, शबरी जी और निषाद जी को जो सौभाग्य प्रदान किया वह अपने आप में यह बताने के लिए पर्याप्त है कि भगवान कभी भी भगत में जात–पात का भेद नहीं देखना चाहते हैं।

महाराज जी ने श्री राम कथा गायन के क्रम में केवट प्रसंग के बाद के कथा प्रसंगों का गायन करते हुए कहा कि देश में जाति पाती का झगड़ा झमेला राजनीतिक दलों की देन है। पूज्यश्री ने कहा कि अगर हमें जीवन का आनंद लेना है तो हमें जीवन को उत्सव में बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। श्रेष्ठ व्यक्ति जहां पहुंच जाता है वहां ही उत्सव का माहौल बन जाता है। महाराज श्री ने कहा कि भारत की भूमि देवभूमि है, धर्म की भूमि है। यहां धर्म का पालन करने वाले ही सदा सुखी रहते हैं और अधर्म पथ पर चलने वाले लोगों को दुख भोगने ही पड़ते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में सनातन धर्म और परंपरा के साथ कई तरह के खिलवाड़ की घटनाएं हो रही है जो चिंता का विषय है। हमारी संस्कृति धर्म पर आधारित है जैसे तैसे नहीं चलती है। धर्म और परंपराओं का सब विधि से पालन होना चाहिए और तभी समाज का कल्याण संभव है।भरत चरित्र सुनाते हुए महाराज श्री ने कहा कि लोग इस समय राम राज्य की स्थापना की बात कर रहे हैं और मैं भी भारत में राम राज्य की स्थापना के पक्ष में हूं। जरूर रामराज की स्थापना होनी चाहिए। लेकिन, सबसे पहले यह हमारे अपने घरों में होनी चाहिए। जब हम स्वयं सदग्रंथों के आश्रय में धर्म आचरण करते हुए जीवन जिएंगे तो हमारे खुद के भीतर और परिवार में राम राज्य की स्थापना होगी तो समाज में भी रामराज की स्थापना होगी। महाराज श्री ने कहा कि मनुष्य अपने परिवार के लोगों के लिए ही जीवन में गलत कार्य करता है धन उपार्जन करने के लिए। लेकिन उसे यह सोचने की आवश्यकता होती है कि कोई इसके फल में उसका साथ देने वाला नहीं है फल तो उसको स्वयं अकेले ही खाना पड़ता है। बेईमानी का संग्रह टिकता नहीं है और ना ही उससे जीवन में कोई सुखी हो पाता है। अगर मनुष्य को जीवन में सुख चाहिए तो वह उसे सिर्फ अपने सत्कर्म से ही प्राप्त हो सकता है। अपने परिश्रम से अर्जित धन से जो व्यक्ति अपना जीवन व्यतीत करता है वही सुखी रह पाता है। भरत चरित्र और अन्य प्रसंगों का श्रवण करने के लिय बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोतागण को महाराज जी के द्वारा गाए गए दर्जनों भजनों पर झूमते हुए देखा गया। अतिथि के रूप मे प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा, कामेश्वर सिंह,दिव्य प्रेम सेवा मिशन प्रमुख आशीष गौतम,पीजीआई निदेशक आरके धीमान, आई .जी .आर के राठौर,आई. ए. एस. अमित सिंह, नामित टण्डन,परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह,अमित सिंह सचिव, मुख्यमंत्री ,आई .ए. एस. राजशेखर ,चिकित्सक डॉ आनंद प्रकाश,मत्स्य पालन मंत्री डॉ संजय निषाद,विधान परिषद सदस्य अवनीश सिंह पटेल,आईएएस अजय सिंह विशेष सचिव मुख्यमंत्री,दीपक अग्रवाल सहित अनेक समाजसेवी,प्रशासनिक अधिकारी शिक्षाविद उपस्थित रहे सभी ने महराज जी से आशिर्वाद प्राप्त कर ममता चौरिटेबल ट्रस्ट परिवार एवं मुखिया राजीव मिश्रा के प्रयासों की खूब सराहना किया।

वार्षिक खेलकूद समारोह में छात्रों ने दिखाई अभूतपूर्व खेल प्रतिभा

लखनऊ,(यूएनएस)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आनन्द नगर कैम्पस द्वारा उ.प्र. होम गार्डस ग्राउण्ड, आनन्द नगर, लखनऊ में आज बड़े ही भव्य स्तर पर 'वार्षिक खेलकूद समारोह' आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डा. मुकेश कुमार सिंह, ज्वाइंट डायरेक्टर, सर्व शिक्षा अभियान, उ. प्र. ने खेल ध्वज फहराकर खेलों का विधिवत शुभारम्भ किया जबकि श्री अतुल अग्निहोत्री, प्रेसीडेन्ट, बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ लखनऊ एवं असिस्टेन्ट कमान्डेन्ट, पीएसी, सीतापुर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारकर समारोह की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डा. मुकेश कुमार सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल में हार–जीत महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि खेल भावना से खेलना महत्वपूर्ण है। जो खेल में उत्कृष्ट होते हैं, वे जिन्दगी में भी सफल होते हैं। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि इन नन्हें–मुन्हें छात्रों में असीम प्रतिभा छिपी है। हमें आशा है कि यह नई पीढ़ी संसार में क्रान्ति लायेगी व पूरे विश्व को एक सूत्र में बांधेगी। कार्यक्रम का शुभारम्भ सर्व–धर्म व विश्व एकता प्रार्थना के प्रस्तुतीकरण से हुआ जिसके माध्यम से विश्व एकता व विश्व शान्ति का संदेश सारी दुनिया में प्रवाहित हुआ। इसके बाद आज की निर्धारित प्रतियोगिताओं का दौर प्रारम्भ हुआ जिसमें खेल की विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक पदों के लिए नन्हें खिलाड़ियों के बीच पूरी जोर आजमाइस रही। इन खेल प्रतियोगिताओं में ऑब्स्टेकल रेस, रेडी टू स्कूल रेस, नेट रेस, वॉक ऑन पेपर रेस, हर्डल रेस, बाल बैलेन्स रेस, वन लेग रेस, फुटबाल रोलिंग रेस, हूपला सिंगल रेस, हूपला डबल रेस, वॉकथॉन, कराटे ड्रिल, पिरामिड आदि प्रमुख रही। इसके अलावा, छात्र–छात्राओं के लिए 50 मी, 100मी, 200मी, 400मी, 800मी एवं 4 गुणा 100मी रेस एवं माता–पिता व अभिभावकों के लिए 100मी एवं 200मी रेस प्रमुख आकर्षण रही। ग्रैण्ड पैरेन्ट्स के लिए आयोजित म्यूजिकल चेयर खेल ने सभी को खूब लुभाया। इससे पहले, इस रंगारंग खेल समारोह में विद्यालय के छात्रों ने मार्च पास्ट, क्रास मार्च पास्ट एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं द्वारा इण्डिया फिट एण्ड यंग का सन्देश दिया। विजयी छात्रों को सार्टिफिकेट, मैडल व शील्ड से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सी.एम.एस. आनन्द नगर कैम्पस की प्रधानाचार्या सुश्री रीना सोटी ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि हम छात्रों को एक टोटल क्वालिटी पर्सन बनाने का प्रयास करते हैं। इनमें सार्वभौमिक जीवन मूल्य व विश्वव्यापी सोच डालते हैं जिससे वे देश के ही नहीं अपितु विश्व के अच्छे नागरिक सिद्ध हों।

जयंती पर किसानों के मसीहा को किया नमन,सपा कार्यालय में दी गई श्रद्धांजलि

बस्ती। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई, जहां सपाईयों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। गोष्ठी को संबोधित को करते हुए विधायक राजेंद्र चौधरी ने कहा कि किसानों के मसीहा के रूप में लोकप्रिय चौधरीचरण सिंह को ऐसे समय पर याद किया जा रहा है जब देश के किसान चौतरफा समस्याओं से घिरा है, उनकी आवाजों को अनसुनी किया जा रहा है। चौधरी चरण सिंह सदैव किसान हितों के लिए संघर्ष करते रहे। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगा कि किसान समृद्ध हों और उनकी मांगों को तत्परता से निराकरण कराया जाए। विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल' ने कहा कि आज जब लोकतंत्र पर चौतरफा हमले हो रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रा पर खतरे हैं ऐसे में हमें चौधरी चरण सिंह से प्रेरणा लेनी होगी, जिन्होंने किसान हितों के लिये आजीवन संघर्ष करने के साथ ही उनकी आवाज बने।

पूर्व विधायक राजमणि पांडेय ने कहा कि किसान चरण सिंह को अपना मसीहा मानते हैं। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किया। भ्रमण करते हुए कृषकों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया। ऐसे नेता विरले होते हैं जिन्हें किसानों का विश्वास हासिल होता है, चौधरी चरण सिंह ने किसान हितों के लिये जो कार्य किया, उन्हें सदैव याद किया जाएगा। समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र ने कहा कि चौधरी चरण सिंह सच्चे अर्थों में किसानों की मुखर आवाज थे। अध्यक्षता करते हुए जावेद पिण्डारी ने कहा कि नई पीढ़ी को चौधरी चरण सिंह के संघर्ष और योगदान से प्रेरणा लेनी चाहिए। गोष्ठी में समीर चौधरी, मोहम्मद स्वालेह, अरविंद सोनकर , विजय विक्रम आर्य, घनश्याम यादव, रामवृक्ष यादव, जैराज यादव, कैश मोहम्मद, भोला पाण्डेय, युनूस आलम, गोविन्द, लालजी चौधरी, विपिन त्रिपाठी, अवधेश मौर्य, चीनी चौधरी, इन्द्रावती शुक्ल, अजीत यादव, चिन्ता यादव, तूफानी यादव, सुशील यादव, अशोक यादव, गौरीशंकर यादव, अशोक चौहान, श्रवण कुमार, विनय कुमार, रामभवन यादव,, रजवन्त यादव, रोहित कन्नौजिया, जगदीश यादव 'शनि' वृजभूषण यादव, पंकज निषाद, राजू सोनी, राजेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

पेयजल परियोजना कोल्हुआ का जलशक्ति मंत्री ने किया उद्घाटन

बहराइच।जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर बहराइच पहुंचे। यहां विकास खण्ड पयागपुर के कोल्हुवा में जल जीवन मिशन हर घर जल कार्यक्रम के तहत 307.07 लाख की लागत से निर्मित पाइप पेयजल परियोजना का शुभारंभ किया।

परियोजना का निरीक्षण करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि मानक के अनुसार पेयजल परियोजना का संचालन करते हुए ग्रामवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए।इस दौरान एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक इकौना राम फेरन पांडेय मौजूद रहे। पेयजल परियोजना के निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम कमला शंकर ने बताया कि परियोजना के तहत प्रस्तावित ट्यूबवेल, पम्पिंग एवं क्लोरीन प्लांट, 22 किलोवाट का सोलर प्लान्ट, 225 किलोलीटर क्षमता की 12 मीटर स्टेजिंग का आरसीसी शिरोमणि जलाशय, 40 मीटर राइजिंग मेन 150 एमएम, 7.357 किमी वितरण प्रणाली, 01 अदद पम्प हाउस एवं क्लोरीनेटिंग रूम व बाउण्ड्री वाल व गेट का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पेयजल परियोजना के तहत कोल्हुआ, राजाभार एवं सोहनी में 684 अदद हाउस कनेक्शन निर्गत किये गए हैं। पेयजल परियोजना के उद्घाटन के बाद मंत्री ने लाभार्थी संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के अन्तर्गत उथले, मध्यम गहरे एवं गहरे नलकूप योजना से लाभान्वित किसानों के साथ संवाद करते हुए लाभार्थियों से फीड बैक प्राप्त किया। साथ ही 5 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र का वितरण किया। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध केन्द्र व राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल सके इसके लिए जगह–जगह पानी की टंकी का निर्माण कराया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों को पानी की किल्लत का सामना न करना पड़े। उन्होंने लोगों को स्वच्छता अपनाने की नसीहत करते हुए कहा कि अपने घर व गांव को साफ–सुथरा रखें।

हाथियों ने चौकीदार को पटक-पटककर मार डाला,जंगल में खून से लथपथ मिला क्षत-विक्षत शव

बहराइच। जनपद में हाथियों ने एक व्यक्ति को पटक–पटककर मार डाला। मृतक सिंचाई विभाग में चौकीदारी का काम करता था। शनिवार सुबह घर से कुछ दूर जंगल की झाड़ियां में चौकीदार का शव पड़ा मिला। लोग मौके पर पहुंचे तो हाथियों की चिंघाड़ सुनाई पड़ी। जिससे लोग दहशत में आ गए। वहां से सभी भाग कर घर आ गए। पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों का सूचना दी गई। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हादसा कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में हुआ है। सुजौली थाना क्षेत्र के गिरिजापुरी सिंचाई कॉलोनी केडी ब्लॉक निवासी 52 साल के देवेश्वर प्रसाद सिंचाई विभाग में चौकीदार थे। देवेश्वर अपने भतीजे राकेश के परिवार के साथ रहते थे। रोज की तरह देवेश्वर शुक्रवार रात नित्य क्रिया के लिए आवास के सामने जंगल के किनारे लगी झाड़ियों के पास गए, लेकिन वापस नहीं लौटे। काफी देर तक न लौटने पर परिवार के लोगों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन जब परिजन कॉलोनी के लोगों के साथ देवेश्वर को तलाश रहे थे, तभी जंगल के पास उन्हें हाथियों की चिंघाड़ सुनाई पड़ी। जिस कारण सभी डर गए। वहीं अंधेरा भी ज्यादा हो गया था। जंगल का क्षेत्र होने के कारण रात में परिवार के लोग ज्यादा दूर तक नहीं गए और घर लौट आए। भतीजे राकेश ने बताया कि शनिवार सुबह फिर कॉलोनी के लोगों के साथ चाचा देवेश्वर की तलाश शुरू की गई तो आवास के सामने जंगल की झाड़ियों में खून से लथपथ उनका क्षत–विक्षत शव पड़ा मिला। उनके पैर पर गहरा जख्म था। इस पर परिवार के लोग बिलख पड़े। इसी बीच उन्हें कुछ दूर जंगली हाथियों के चिंघाड़ने की आवाज सुनाई दी। किसी तरह परिवार के लोग मौके से जान बचाकर घर लौटे। तत्काल घटना की सूचना पुलिस और वन विभाग को दी। रेंजर अनूप कुमार, वन दरोगा मयंक पांडेय और सुजौली थानाध्यक्ष सौरभ सिंह मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम की मौजूदगी में पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। वन क्षेत्राधिकारी अनूप कुमार ने बताया कि आसपास हाथियों के पद चिन्ह मिले हैं, जिससे लग रहा है कि हाथियों के हमले में देवेश्वर की जान गई है। सुबह भी लोगों ने हाथियों की चिंघाड़ सुनी है, ऐसे में लोगों को सजग रहने की सलाह दी गई है। साथ ही क्षेत्र में वनकर्मियों की गश्त बढ़ा दी गई है। हाथियों के हमले में अधेड़ की मौत के बाद क्षेत्र के लोग दहशत में हैं।

एलडीए ने सरोजनीनगर व पारा क्षेत्र में तीन अवैध व्यवसायिक निर्माण सील किये

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में अवैध निर्माण व प्लाटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में शनिवार को प्रवर्तन जोन–2 की टीम ने पारा व सरोजनीनगर क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान अवैध रूप से किये जा रहे तीन व्यवसायिक निर्माणों को सील किया गया। प्रवर्तन जोन–3 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि एके सिंह व अन्य द्वारा पारा में मोहान रोड, सरोसा–भरोसा मोड़ पर लगभग 7500 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर बेसमेंट में हॉल, अपर ग्राउंड फ्लोर पर 11 दुकानें, प्रथम व द्वितीय तल पर हॉल का निर्माण कराया गया था। इसी तरह सतीश (प्रधान) व अन्य द्वारा पारा के हंसखेड़ा में प्राधिकरण द्वारा निर्मित ईडब्ल्यूएस अपार्टमेंट के पीछे नजूल भूमि पर लगभग 2000 वर्गफिट क्षेत्रफल में दुकानों व कमरों का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा मुन्नू सिंह व अन्य द्वारा सरोजनीनगर में अमौसी रोड पर लगभग 1500 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर बेसमेंट व प्रथम तल पर व्यावसायिक निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे उक्त तीनों अवैध निर्माण के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए बस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में आज सहायक अभियंता अनिल कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता भरत पाण्डेय, भानु प्रकाश वर्मा, संजय शुक्ला व प्रमोद पाण्डेय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया।

एलपीएस लिगेसी में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, बी–ब्लाक, राजाजीपुरम ने अपना वार्षिकोत्सव दृ लिगेसी बडे धूमधाम से मनाया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमित कुमार सिंह (आई. ए. एस.), विशेष सचिव , नगर विकास, महा प्रबंधक डॉ. एस. पी.सिंह, डायरेक्टर हर्षित सिंह व प्रिंसिपल ज्ञानेंद्र कुमार ने हाई स्कूल के 10 बच्चों एवं उनके अभिभावकों को बेहतर शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर उपलब्धियों के लिए पुष्प गुच्छ, प्रमाण–पत्र व शॉल देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त सहारा स्टेट्स, आम्रपाली, गोमती नगर शाखा ,सेक्टर–9 वृंदावन, एदृब्लॉक शाखाओं में आर्टदृक्राफ्ट, साइंस प्रदर्शनी एवं बाल मेले का आयोजन किया गया। डायरेक्टर हर्षित सिंह ने बच्चों से शैक्षिक उपलब्धियों एवं लिगेसी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

राम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा में अखिलेश यादव को न बुलाएं : सांसद सुब्रत पाठक

वाराणसी, (यूएनएस)। वाराणसी में कन्नौज के सांसद सुब्रत पाठक ने राम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा में पूर्व सीएम अखिलेश यादव को नहीं बुलाने की अपील की है। उन्होंने कहा, पूर्व सीएम अखिलेश यादव की आस्था राम में नहीं राजनीति में है। इनके पिता ने सीएम रहते कार सेवकों पर गोलियां चलवाईं, राम मंदिर के खिलाफ राजनीति करते रहे।

जब तक माफी नहीं मांगते इन्हें राम मंदिर आमंत्रण तो दूर इनको मंदिर परिसर में प्रवेश तक नहीं दिया जाए। कार सेवकों के दोषियों को बुलाने से उन शहीदों की आत्मा को कष्ट मिलेगा, दुख होगा। शनिवार को सांसद सुब्रत पाठक ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन किया और षोडशोपचार के बीच कॉरिडोर का अवलोकन किया। उन्होंने कहा, मैंने राम मंदिर ट्रस्ट से आग्रह किया है कि देश के दल जिनकी आस्था राम मंदिर नहीं बनने देने की थी। उन्हें आमंत्रण ना दिया जाए। कांग्रेस जैसे दलों ने सुप्रीम कोर्ट में निर्णय नहीं लाने के लिए अड़चन लगाई। सपा और कांग्रेस के नेता मंच और रैलियों में भाजपा और आम लोगों को चिढ़ाते थे। सपा ने राम चरित मानस को जलवाकर पिछले दिनों ही हमारी आस्था को चोट पहुंचाई। सुब्रत पाठक ने कहा, यूपी में सपा के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव और बाद में पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने तो सारी सीमाएं ही तोड़ दीं। रामभक्तों की हत्या को देश नहीं भूल सकता, अयोध्या के लोगों के जहन में आज भी वह मंजर जिंदा है। आज तक सपा के नेताओं और अखिलेश यादव ने माफी नहीं मांगी। इनकी राम में आस्था नहीं है। उस हत्याकांड का समर्थन किया और खुलेआम बयान भी दिया। उन लोगों के मंदिर आने से रामभक्तों की आस्था को कष्ट होगा, अयोध्या के लोगों से आग्रह करना चाहता हूं कि इन्हें मंदिर परिसर तो दूर अयोध्या में भी नहीं घुसने दें। सांसद ने कहा, इंडिया गठबंधन में अभी कोई बंधन ही नहीं है। जो कोई भी ब्रांड होता है उसकी वैल्यू होती है। कांग्रेस की पूरी तरह से खराब हो चुकी है। जनता का भरोसा उनसे उठ चुका है। कांग्रेस की सरकार में जब नेताओं को मौका मिला तो लूट और घोटाले करते रहे। कांग्रेस के नेताओं की सरकारें कॉमनवेल्थ, 2G स्प्रेक्टम के घोटाले के नाम से जानी जाती है। मोदी सरकार विकास, आवास और जनसुविधाओं के लिए जानी जाती है। जितने बेईमान है, मोदी के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इंडिया गठबंधन टेबल पर गठबंधन कर रहे हैं और जनता ने नीचे भाजपा को जिताने का गठबंधन कर लिया है।

दो इंटरलाकिंग मार्गो व तीन आरओ वाटरकूलरो का ब्लाक प्रमुख ने फीता काटकर उद्घाटन

लखनऊ, (यूएनएस)। मोहनलालगंज विकासखंड के परेहटा व सैदापुर गांवो में क्षेत्र पंचायत निधि से आठ लाख रूपये की लागत से बने दो इंटरलाकिंग मार्गो समेत कनकहा व कीर्तिखेड़ा के तीन सरकारी स्कूलो में दस लाख रूपये की लागत से लगाये गये आरओ वाटर कूलरो का शनिवार को ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला ने फीता काटकर उद्घाटन किया।मोहनलालगंज के परेहटा गांव में 5लाख 60रूपये की लागत से बने 100मीटर इंटरलाकिंग मार्ग व उतरावां मजरा सैदापुर गांव में बरम देव बाबा देव स्थल जाने के लिये 2लाख 40हजार रूपये की लागत से बने 45मीटर इंटरलाकिंग मार्ग का शनिवार को ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला ने समाजसेवी राजेश पांडे व राम कुमार मिश्रा समेत बीडीसी सदस्यो की मौजूदगी में फीता काटकर उद्घाटन किया।सैदापुर गांव में इंटरलाकिंग मार्ग का उद्घाटन करने पहुंचे ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला ने सबसे पहले बरम देव बाबा मंदिर में मत्था टेक कर पूजा अर्चना की।जिसके बाद समाजसेवी राम कुमार मिश्रा व कृष्ण कुमार मिश्रा ने ब्लाक प्रमुख को पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र समेत स्मृति चिन्ह भेटकर सम्मानित किया।जिसके बाद ब्लाक प्रमुख ने समाजसेवी राम कुमार मिश्रा के हाथो नारियल फोड़वाकर इंटरलाकिंग मार्ग का फीता काटकर उद्घाटन किया।कनकहा के जूनियर हाईस्कूल व प्राथमिक विद्यालय समेत कीर्तीखेड़ा प्राथमिक विद्यालय में 10लाख की लागत से बच्चो को साफ स्वच्छ व ठंडा पानी पीने के लिये लगाये गये आरओ वाटर कूलरो का ब्लाक प्रमुख ने फीता काटकर उद्घाटन किया।इस मौके पर पत्रकार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक तिवारी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित दीक्षित,महामंत्री अखिलेश द्विवेदी,सयुक्तमंत्री अनुपम मिश्रा, राघवेन्द्र तिवारी,पूर्व प्रधान लल्लन शुक्ला,प्रधान प्रतिनिधि ब्रज बहादुर सिंह,पूर्व प्रधान रामपाल ,राजेन्द्र तिवारी, राकेश मिश्रा,राजेन्द्र मिश्रा, पकंज मिश्रा,अमित मिश्रा,विनीत मिश्रा बीडीसी पूनम रावत,सुषमा देवी,रामफेर,वीरेन्द्र,सुभाष पांडे,रजनीश दुबे समेत काफी सख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

कमिश्नर ने की विकास कार्यों की समीक्षा,

बोले, सरकारी अस्पतालों में बाहर से न लिखी जाए दवा, शिकायत मिलने पर करेंगे कार्रवाई

बहराइच,(यूएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयुक्त देवीपाटन मण्डल गोण्डा योगेश्वर राम मिश्र ने मुख्यमंत्री की प्राथमिकता से सम्बन्धित विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की। आयुक्त ने उद्यान विभाग को निर्देश दिया कि मंडल के जनपदों में खेती में अभिनव पहल करने वाले कृषकों के क्षेत्र का भ्रमण कर उनके प्रयासों को विस्तार दिया जाए।

आयुक्त ने निर्देश दिया कि जनपदों में साइन हुए एमओयू विशेषकर सौर ऊर्जा से सम्बन्धित प्रस्तावों को तत्काल धरातल पर क्रियान्वित कराए जाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि वास्तविक उद्यमियों के साथ एमओयू साइन किए जाएं, जिससे जिलों में उद्योगों की स्थापना हो।वन विभाग की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण को शीर्ष प्राथमिकता प्रदान करने के साथ–साथ पेड़ों के अवैध कटान व वन्य जीवों के अवैध शिकार पर अंकुश के लिए वन माफियाओं के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मण्डल में वन क्षेत्र के विस्तार के लिए आयुक्त ने भूमि आवंटन कार्य में वृक्षारोपण कार्य को प्राथमिकता देने की बात कही।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने निर्देश दिया कि सरकार की रोजगार एवं लाभार्थीपरक योजनाओं में अपेक्षित सहयोग न करने वाले बैंकों से सरकारी धन निकाल कर सहयोगी बैंकों में जमा करा दिया जाए। बीसी सखी, पीएम व सीएम आवास योजना, मनरेगा व ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारियों को सुझाव दिया कि मनरेगा योजना में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत अच्छा कार्य कराएं।योजनाओं की रैंक में अपेक्षित सुधार लाया जाय। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये गए कि महिला अस्पतालों की महिला अधिकारियों से जाचं कराई जाए। मरीजों को प्राइवेट चिकित्सालयों में भर्ती कराने वाले कार्मिकों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। सभी चिकित्सालयों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए एवं मरीजों को बाहर की दवा न लिखी जाए। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान आयुक्त मण्डल में निराश्रित गोवंशों को गौशाला में संरक्षित करने एवं अण्डा उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रयास किया जाए।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।